mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-06 अंक-208 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
29 जुलाई 2026 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉक्स :

प्रधानमंत्री से मिले असम के सांसद, बाढ़ की स्थिति से कराया अवगत

नई दिल्ली,एजेंसी। असम के सांसदों ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से दिल्ली में मुलाकात की और राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बाढ़ की मौजूदा स्थिति से अवगत कराया।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, 'आज असम के सांसदों से मुलाकात की और राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बाढ़ की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। केंद्र सरकार, प्रभावित लोगों की मदद के लिए असम सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है। मैं सभी की सुरक्षा और भलाई के लिए प्रार्थना करता हूं। 'उल्लेखनीय है कि पिछले कई दिनों से लगातार जारी मूसलाधार बारिश से पूर्वोत्तर क्षेत्र में तबाही मची हुई है। यहां बाढ़ आने से कई परिवार बेघर हो गए हैं। उनका जन-जीवन काफी प्रभावित हुआ है। फिलहाल, जिला प्रशासन, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, आर्मी और एयर फ़ोर्स की टीमें लगातार प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी रखे हुए हैं।

दावा- सीजेपी प्रदर्शन में हत्या के 101 आरोपी शामिल थे

दिल्ली पुलिस बोली- प्रोटेस्ट में शामिल 2873 अपराधी, इनमें से 989 पर गंभीर मामले

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली पुलिस का दावा है कि कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के प्रदर्शन में हत्या के 101 आरोपी शामिल हुए थे। इस प्रदर्शन में आए 2873 लोगों का क्रिमिनल रिकॉर्ड यानी आपराधिक रिकॉर्ड मिला, जिनमें 989 लोगों पर गंभीर मामले थे।

इनकी पहचान फेशियल रिकग्निशन सिस्टम (FRS) और अन्य तकनीकी माध्यमों से की गई। पुलिस का दावा है कि प्रदर्शन में शामिल हुए लोगों में हत्या, यौन अपराध, पॉक्सो, लूट समेत अन्य गंभीर मामलों के आरोपी हैं। सीजेपी ने 20 जुलाई संसद चलो मार्च निकाला था। इसमें पुलिस ने छात्रों पर लाठीचार्ज किया। 25 जुलाई की शाम को धर्मेंद्र प्रधान ने शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद प्रदर्शन खत्म हो गया।

20 जुलाई को 118 पुलिसकर्मी घायल हुए: दिल्ली पुलिस के मुताबिक, 20 जुलाई की झड़पों में 118 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए थे। इनमें स्पेशल कमिश्नर, जॉइंट कमिश्नर, एडिशनल कमिश्नर, डीसीपी, एडिशनल डीसीपी और एसीपी रैंक के अधिकारियों के अलावा कई महिला पुलिसकर्मी भी शामिल थीं। वहीं, इस घटना में करीब 60 प्रदर्शनकारियों के भी घायल होने की जानकारी दी गई।

सुप्रीम कोर्ट बोला: नाबालिग प्रदर्शनकारियों को तुरंत रिहा करें

● छात्रों का आंदोलन शांतिपूर्ण था ● जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग करने वालों पर कार्रवाई हो

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट में कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि छात्रों का प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण था और प्रदर्शन करना उनका संवैधानिक अधिकार है। कोर्ट ने कहा कि जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग करने वालों के खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई होगी। साथ ही 18 साल से कम उम्र के उन प्रदर्शनकारियों को तुरंत रिहा करने का निर्देश दिया, जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि पहली नजर में स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की जरूरत दिखती है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस कार्रवाई को लेकर पहले दिए गए दिशा-निर्देशों को अब अपडेट करने का समय आ गया है। 2018 में बने नियम 2026 में कितने कारगर हैं, इसकी भी समीक्षा होनी चाहिए, ताकि प्रदर्शन शुरू होते ही पुलिस के तय प्रोटोकॉल तुरंत लागू हो सकें। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि छात्रों

को शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार है, लेकिन कानून तोड़ने वालों को सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने बताया कि 250 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। इस पर कोर्ट ने कहा कि स्वतंत्र जांच से प्रदर्शनकारियों और पुलिस, दोनों पक्षों के आरोपों की निष्पक्ष जांच होगी। मामले की अगली सुनवाई 3 अगस्त को होगी।

सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई तारीख 3 अगस्त तय: सुनवाई के आखिर में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जुनैद मलिक की याचिका पर बुधवार को सुनवाई की मांग का विरोध किया। इस पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि पहले याचिका की सभी तकनीकी कमियां दूर की जाएं।इसी दौरान एक वकील ने अपनी याचिका भी सूचीबद्ध करने की मांग करते हुए कहा कि हिरासत में लिए गए छात्रों की मदद के दौरान उन पर भी हमला हुआ था। बेंच ने कहा कि इस मामले पर बुधवार को सुनवाई होगी, जबकि बाकी संबंधित मामलों को सोमवार को सुना जाएगा। जरूरत पड़ने पर अंतरिम आदेश भी जारी किए जाएंगे। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई खत्म कर दी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पहली नजर में ये आरोप स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की मांग करते हैं। इससे

कोर्ट बोला- मामले की स्वतंत्र जांच की जरूरत, कई राज्यों को नोटिस... सुप्रीम कोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश में कहा- याचिकाओं में आरोप है कि जंतर-मंतर और दूसरे राज्यों में प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने छात्रों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हुए जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग किया। आरोप है कि पेलेट गन और रबर बुलेट से कई छात्र घायल हुए, एक छात्र की आंख की रोशनी चली गई। भीड़ हटाने के लिए इलेक्ट्रिक बैटन और कील लगी लाठियों का इस्तेमाल किया गया। एक पत्रकार के साथ भी मारपीट हुई, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्रदर्शनकारियों और पुलिस, दोनों पक्षों के दावों की निष्पक्ष जांच हो सकेगी। कोर्ट ने दिल्ली सरकार को जवाब दाखिल करने का मौका देते हुए दिल्ली, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, केरल, उत्तर प्रदेश, असम और पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों को नोटिस जारी किया।

सीजेपी प्रोटेस्ट में खाना खिलाने वाले जुनैद सुप्रीम कोर्ट पहुंचे

बोले- पुलिस ने 6 घंटे हिरासत में रखा, परिवार को परेशान कर रही

नई दिल्ली,एजेंसी। सीजेपी के जंतर-मंतर प्रदर्शन में छात्रों को खाना खिलाने वाले वालंटियर जुनैद मलिक सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि पुलिस ने उन्हें रास्ते से उठाकर करीब 6 घंटे तक हिरासत में रखा, धमकाया और बाद में देहरादून रोड़ पर सुनसान जगह पर छोड़ दिया। जुनैद का कहना है कि पुलिस ने उनके परिवार को भी बिना कानूनी प्रक्रिया अपनाए परेशान किया। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से परिवार के खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगाने और पूरे मामले की कानून के मुताबिक जांच कराने की मांग की है।

जुनैद को पुलिस ने 24 जुलाई को रास्ते से उठाया: याचिका के मुताबिक, 24 जुलाई की आधी रात को जुनैद मलिक एंटी-रेबीज का इंजेक्शन लगवाकर आरएमएल अस्पताल से लौट रहे थे। तभी पुलिस ने उसे उठा लिया और उनका मोबाइल फोन जबरन लेकर अनलॉक कराया गया और उसकी जांच की गई। उनसे पूछा गया कि उन्हें फंडिंग कौन करता है और खाने की व्यवस्था के लिए पैसा कहां से आता है। याचिका में दावा किया गया है कि इसके बाद पुलिस उन्हें देहरादून रोड पर एक सुनसान जगह छोड़कर चली गई।

प्रियंका ने उठाया जंतर-मंतर पर लाठीचार्ज का मुद्दा कहा- पीएम मोदी कैमरे का नहीं, दिल का एंगल बदले

नई दिल्ली,एजेंसी। लोकसभा में परीक्षा संबंधी संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान शिक्षा, छात्र आंदोलनों और सरकारी नीतियों को लेकर तीखी राजनीतिक बहस देखने को मिली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने छात्र प्रदर्शन पर पुलिस कार्रवाई, परीक्षा प्रणाली, पेपर लीक और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर सरकार को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कई फैसलों पर जवाबदेही की मांग करते हुए

युवाओं का भरोसा बहाल करने की आवश्यकता बताई।लोकसभा में मंगलवार को पब्लिक एग्जामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सरकार पर तीखा हमला बोला। संसद में प्रियंका गांधी ने कहा कि बच्चों पर लाठियां किसके आदेश पर चलाए गए, यह सवाल पूरा देश पूछ रहा है, अध्यापक, छात्र, माता-पिता पूछ रहे हैं सिर्फ कांग्रेस नहीं पूछ रही है। ये सदन सांसदों की जागीर नहीं है।मंगलवार को संसद में प्रियंका गांधी ने अपने संबोधन की शुरुआत एक घटना से की । जब मैं एक घायल छात्रा से मिलने गए, तो उसकी मां बोली- सुबह से बड़े-बड़े नेता आए। वह भी आए जिनकी वजह से बेटी का यह हाल हुआ। मैं सरकार से पूछना चाहती हूं- क्या जरूरत थी, बच्ची पर ज्यादती करने की। देश के युवाओं पर पैलेट गन चलवाने की क्या जरूरत थी। प्रियंका गांधी वाड्रा ने छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ की गई पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए।

मेटा ने पहले मोदी का वीडियो हटाया, अब रीस्टोर किया

» कहा- तकनीकी गड़बड़ी से हटा; पीएम ने 23 जुलाई को छात्रों को मैसेज दिया था

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फेसबुक से हटाया गया वीडियो मेटा ने दोबारा रीस्टोर कर दिया है। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि तकनीकी गड़बड़ी की वजह से वीडियो गलती से हट गया था।

समय के लिए फेसबुक पर यह वीडियो दिखाई नहीं दे रहा था, जिसके बाद इस पर सवाल उठे। प्रधानमंत्री मोदी ने यह वीडियो 23 जुलाई को जारी किया था। इसमें उन्होंने जेन-जी और छात्रों को संबोधित करते हुए परीक्षा पेपर लीक के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया था।

इधर, न्यूज एजेंसी IANS ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय (MeitY) ने Meta (फेसबुक और इंस्टाग्राम) के ग्लोबल हेड और कंपनी के पब्लिक पॉलिसी के ग्लोबल हेड को भी तलब किया है।

23 जुलाई की रात 12 बजे एक्स हैंडल पर पोस्ट किए गए 2.56 मिनट के वीडियो मैसेज में मोदी ने कहा- पेपर लीक कोई मामूली विषय नहीं है। लाखों छात्रों, उनके माता-पिता के लिए पीड़ादायक है। इसलिए पेपर लीक से अब तक, पिछले ढाई महीनों में कई कदम उठाए हैं। गुनहगारों को पकड़ा है, वे जेल में हैं। हमारी जिम्मेदारी थी कि छात्रों का साल बर्बाद न हो, इसलिए कम समय में 22 लाख छात्रों का एग्जाम कराया। 19 जुलाई को रिजल्ट भी आ गया।

जापान में 6.8 तीव्रता का भूकंप: शॉपिंग मॉल गिरा, 50 से ज्यादा लोग फंसे

1.5 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया

टोक्यो, एजेंसी। जापान के दक्षिणी कुमामोटो प्रांत में मंगलवार को 6.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। तेज झटकों के बाद काशिमा शहर स्थित एक शॉपिंग मॉल की दूसरी मंजिल ढह गई, जिससे 50 से ज्यादा लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक कई लोग घायल हुए हैं।

जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के मुताबिक, भूकंप स्थानीय समयानुसार

शाम 4:27 बजे आया। इसका केंद्र जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी, लेकिन करीब एक घंटे बाद इसे वापस ले लिया गया। भूकंप के बाद प्रशासन ने एहतियात के तौर पर क्यूशू द्वीप के 1.5 लाख से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों और राहत शिविरों में जाने के निर्देश दिए हैं। राष्ट्रीय प्रसारक ह्याच की तस्वीरों में कई सड़कों और पुलों में दरारें, इमारतों में आग और अन्य नुकसान दिखाई दे रहे हैं। सरकार ने राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया है, जबकि प्रभावित इलाकों में नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

एडीआर रिपोर्ट: पंजाब सीएम की संपत्ति सैनी-सुक्खू से भी कम

सालाना इनकम इनसे ज्यादा; कर्नाटक मुख्यमंत्री सबसे अमीर, उमर अब्दुल्ला सबसे कम प्रॉपर्टी वाले सीएम

चंडीगढ़,एजेंसी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान देश के सबसे कम संपत्ति वाले मुख्यमंत्रियों की सूची में 5वें स्थान पर हैं। उनकी कुल संपत्ति 1.97 करोड़ रुपए है। पड़ोसी राज्य हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की संपत्ति 5.80 करोड़ रुपए है, जो मान से करीब 3 गुना अधिक है।

वहीं, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू 7.81 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ इन दोनों से

आगे हैं। यह खुलासा एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ADR) और नेशनल इलेक्शन वॉच की ताजा रिपोर्ट में हुआ है। यह रिपोर्ट मुख्यमंत्रियों की ओर से चुनावी शपथ पत्रों में दी गई जानकारी पर आधारित है। इसमें देश के 31 मुख्यमंत्रियों का विश्लेषण किया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक कनार्टक के सीएम डीके शिवकुमार देश में सबसे अमीर ज्यादा संपत्ति वाले सीएम है। उनकी कुल संपत्ति1,413 करोड़ करोड़ रुपए है। जबकि, सबसे कम संपत्ति जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला की है। उन्होंने 55 लाख रुपए की संपत्ति घोषित की है।

वार्षिक आय में मान दोनों पड़ोसी राज्यों के सीएम से आगे... DR रिपोर्ट के अनुसार, भगवंत मान अपने पड़ोसी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से कम संपत्ति रखते हैं, लेकिन उनकी सालाना कमाई दोनों मुख्यमंत्रियों से ज्यादा है। उन्होंने अपने पेशे में केवल राजनीति का उल्लेख किया है। इससे उनकी वार्षिक आय 18.34 लाख रुपए है।

मंदसौर की बस कश्मीर में 50-फीट गहरी खाई में गिरी

एमपी-राजस्थान के 40 श्रद्धालु सवार थे

» अमरनाथ दर्शन के बाद वैष्णो देवी के लिए निकले थे

मंदसौर,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के बालटाल से श्रीनगर जा रही मंदसौर की बस मंगलवार को करीब 50 फीट गहरी खाई में गिर गई। बस में सवार करीब 40 श्रद्धालु सवार थे, जो अमरनाथ यात्रा से लौट रहे थे। बस में करीब

40 श्रद्धालु सवार थे, जिनमें मध्यप्रदेश और राजस्थान के यात्री शामिल हैं। हादसे में सभी यात्री घायल हैं, जबकि दो को गंभीर चोटें आई हैं। ये हादसा सुबह करीब 7 बजे गांदरबल जिले के रंगा मोड़ के पास हुआ। स्थानीय लोगों और राहत-बचाव दल ने सभी यात्रियों को बाहर निकाला। घायलों को पहले उप जिला अस्पताल कंगन ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को सौरा, श्रीनगर रेफर किया गया।

जानकारी के मुताबिक ज्यादातर यात्रियों को मल्टीपल इंजरी और हेड ट्रॉमा है। फिलहाल सभी घायलों की हालत स्थिर बताई गई है और उनका उपचार जारी है।

हिमाचल के चंबा में अचानक बाढ़ से पत्थरों का सैलाब

मलबा घरों में घुसा, चारधाम यात्रा स्थगित; दिल्ली में बारिश

नई दिल्ली,एजेंसी। देश के कई राज्यों में भारी बारिश आफत बन गई है। हिमाचल प्रदेश के चंबा में सोमवार देर रात हुई मूसलाधार बारिश के बाद सरोल मोहल्ले समेत कई इलाकों में अचानक बाढ़ आ गई। पानी के साथ आए पत्थरों और मलबे का सैलाब घरों और दुकानों में घुस गया। कई मकानों की पहली मंजिल तक मलबा भर गया।

उत्तराखंड में मंगलवार सुबह चमोली, टिहरी, उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग में लैंडस्लाइड हुई। रुद्रप्रयाग के कुंड-काकड़ा के बीच केदारनाथ नेशनल हाईवे मलबा आने से बंद हो गया। सोनप्रयाग-गौरीकुंड हाईवे भी बंद है, जिसके चलते चारधाम यात्रा दो दिन रोक दी गई है। दिल्ली में मंगलवार सुबह जोरदार बारिश हुई। इससे जगह-जगह सड़कों पर पानी भर गया। चंडीगढ़ स्थित पंजाब यूनिवर्सिटी (PU) में मंगलवार सुबह PhD स्कॉलर युवती की करंट लगने से मौत हो गई। वह गर्ल्स हॉस्टल से अपने विभाग में पढ़ाई के लिए जा रही थी।

उधर, मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में रविवार शाम बिजली गिरने से 11 साल के

बंगाल से उत्तराखंड तक बादल छाए, एक हफ्ते बारिश का अलर्ट... मौसम विभाग की तरफ से जारी नई सैटेलाइट इमेज में पश्चिम बंगाल से उत्तराखंड तक 1500km एरिया में बादल छाए हुए हैं। इसकी वजह बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना डीप डिप्रेशन है।

बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई।

डीप डिप्रेशन समुद्र के ऊपर बनने वाला कम दबाव का एक स्ट्रॉन्ग मौसम सिस्टम होता है। इसमें हवा की रफ्तार सामान्य डिप्रेशन से ज्यादा होती है। इससे भारी बारिश होती है।

देश में 576 अरबपति, 5 साल में चार गुना बढ़े

सरकार को नहीं पता अरबपतियों के पास कितनी संपत्ति, दावा- बेरोजगारी और गरीबी घटी

जयपुर,एजेंसी । देश में पिछले पांच साल में अरबपतियों की संख्या में चार गुना से ज्यादा का इजाफा हुआ है। साल 2021-22 में 142 अरबपति थे। 2025-26 में अरबपतियों की संख्या बढ़कर 576 हो गई है। सरकार ने अरबपतियों की संख्या बताई है, लेकिन अलग-अलग अरबपतियों की कुल आय का ब्योरा नहीं दिया है।

दौसा से कांग्रेस सांसद मुरारीलाल मीणा के सवाल के जवाब में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में बताया कि आयकर एक्ट में अरबपति शब्द की कोई वैधानिक परिभाषा नहीं है। लेकिन आयकर विवरण (ITR) में सालाना 100 करोड़ या इससे ज्यादा की आय दिखाने वालों का ब्योरा दिया है।

सरकार के पास अरबपतियों की कुल संपत्ति का ब्योरा नहीं: सरकार के पास अरबपतियों की कुल संपत्ति का ब्योरा नहीं है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि सरकार के पास करदाताओं की कुल संपत्ति का कोई आधिकारिक या संकलित डेटा नहीं है। इसका कारण यह है कि संपत्ति कर अधिनियम, 1957 को एक अप्रैल 2016 से खत्म कर दिया गया।

घरेलू खर्च में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों का अंतर कम... जवाब के अनुसार, घरेलू खर्च में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों का अंतर कम हो रहा है। घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2023-24 के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों के लिए गिनी गुणांक (लोगों के बीच आय या धन की असमानता) 0.237 और शहरी क्षेत्रों के लिए 0.284 दर्ज किया गया है। यह 2022-23 के आंकड़ों से कम है, जो यह दिखाता है कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच का अंतर कम हो रहा है।

बेंगलुरु में शर्मनाक हरकत, कैब का इंतजार कर रही महिला से स्कूटी सवार ने पूछा- तुम्हारा रेट क्या है

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के राममूर्ति नगर में कैब का इंतजार कर रही एक महिला से यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि एक स्कूटर सवार व्यक्ति ने उसके पास आकर अभद्र टिप्पणी की और उसका रेट पूछा। महिला द्वारा घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किए जाने और पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाने के बाद बेंगलुरु पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना की जानकारी देते हुए पीड़ित महिला ने बताया कि जब वह अपनी कैब की प्रतीक्षा कर रही थी, तभी एक व्यक्ति स्कूटर से उसके पास आया और पूछा, 'तुम्हारा क्या रेट है?' महिला के अनुसार, इस सवाल के साथ ही उसने बेहद आपत्तिजनक और डराने वाली बातें भी कीं। सोशल मीडिया पर अपना दर्द साझा करते हुए महिला ने

लिखा कि एक महिला के तौर पर मुझे किसी वस्तु की तरह देखे जाने या पैसों की पेशकश झेलने के बिना सुरक्षित रूप से कैब का इंतजार करने का अधिकार होना चाहिए। उसके शब्द बेहद अपमानजनक थे और उन्होंने मुझे अपनी सुरक्षा के प्रति भयभीत कर दिया।

वीडियो बनाते ही गाली-गलौज कर भागा आरोपी: महिला ने बताया कि जब उसने अपने मोबाइल फोन से घटना को रिकॉर्ड करना शुरू किया, तो आरोपी को समझ आ गया कि उसका वीडियो बनाया जा रहा है। इसके बाद उसने महिला के साथ गाली-गलौज की और तुरंत मौके से फरार हो गया। पीड़िता ने घटना में इस्तेमाल किए गए वाहन का नंबर च्च03 चत्क6190 बताते हुए प्रशासन से आरोपी की पहचान करने और उस पर कड़ी कार्रवाई करने की अपील की है। महिला ने लिखा कि चुप्पी केवल अपराध करने वालों का हौसला बढ़ाती है। सार्वजनिक स्थान सभी के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक होने चाहिए।

बेंगलुरु पुलिस की कार्रवाई

बेंगलुरु पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए बताया कि जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस शिकायतकर्ता द्वारा साझा किए गए वीडियो और वाहन के पंजीकरण नंबर की प्रामाणिकता की जांच कर रही है। इससे पहले जुलाई की शुरुआत में, कर्नाटक के दावणगेरे जिले में पुलिस ने एक 30 वर्षीय गृहिणी को ब्लैकमेल करने और उसका बार-बार यौन उत्पीड़न करने के आरोप में एक स्थानीय जिम मालिक के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की थी। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, शिकायतकर्ता महिला नीटुवल्ली स्थित एक जिम में पिछले डेढ़ साल से जा रही थी। महिला का आरोप था कि जिम मालिक-सह-ट्रेनर ने चेंजिंग रूम में बिना सहमति के उसकी गुप्त तस्वीरें और नग्न वीडियो बना लिए थे। आरोपी पिछले तीन-चार महीनों से इन रिकॉर्डिंग्स के जरिए महिला को सोशल मीडिया पर वीडियो लीक करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर रहा था और अनुचित मांगें रख रहा था। सामाजिक बदनामी के डर से पीड़िता शुरुआत में चुप रही, लेकिन बाद में उसने पुलिस में मामला दर्ज कराया।

डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी मामले में सुप्रीम कोर्ट का सख्त फैसला, अब आसानी से नहीं मिलेगी जमानत, माना जाएगा डाकू और लुटेरा

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में डिजिटल अरेस्ट (ऑनलाइन ठगी) के बढ़ते मामलों के बीच अब सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला सामने आया है। कोर्ट ने इस मामले में अपना रुख साफ कर दिया है कि डिजिटल अरेस्ट घोटालों में शामिल किसी भी आरोपी को आसानी से जमानत नहीं दी जाएगी। कोर्ट ने निचली अदालतों और हाईकोर्ट्स को निर्देश दिया है कि ऐसे मामलों में केवल असाधारण कारणों पर ही जमानत पर विचार किया जाए, वरना राहत न दी जाए। मामले में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि पुलिस और जांच एजेंसियों को डिजिटल अरेस्ट और साइबर फ्रॉड के मामलों में सख्त से सख्त संगठित अपराध के कानून लगाने चाहिए। इन मामलों को आम धोखाधड़ी नहीं, बल्कि लूट और डकैती के बराबर माना जाना चाहिए।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए बड़ा खतरा: इसके अलावा अदालत ने चिंता जताई कि डिजिटल अरेस्ट आज के समय में लोगों, खासकर बुजुर्गों के खिलाफ किया जाने वाला सबसे खतरनाक अपराध है। इसमें ठग बुजुर्गों की जिंदगीभर की जमापूंजी और मेहनत की कमाई को तब ठग लेते हैं, जब उन्हें पैसों की सबसे ज्यादा जरूरत होती है।

सहयोगी भी मुख्य आरोपी जैसे: बता दें कि सुनवाई के दौरान एक आरोपी ने दलील दी कि उसने मुख्य आरोपी को सिर्फ बैंक खाता खुलवाने में मदद की थी और वह एक साल से जेल में है। इस पर बेंच ने दो टूक कहा कि ऐसा व्यक्ति भी इस गंभीर अपराध में सीधा सहयोगी माना जाएगा। गौरतलब है कि जांच एजेंसियों के मुताबिक, अब तक देश में डिजिटल अरेस्ट और साइबर ठगी के जरिए लोगों से करीब 3000 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की जा चुकी है। पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने इसका संज्ञान लेते हुए सीबीआई को पूरे देश में इन मामलों की जांच सौंपने के निर्देश दिए थे।

गुरुग्राम के सेक्टर 80-95 तक जलभराव से मिलेगी राहत, मास्टर स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज नेटवर्क अंतिम चरण में

गुरुग्राम, एजेंसी। नए गुरुग्राम के सेक्टर 80 से 95 तक के बाशिंदों को आने वाले समय में मानसून के दौरान जलभराव की समस्या से काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) द्वारा इस क्षेत्र में मास्टर स्टार्म वाटर ड्रेनेज नेटवर्क का निर्माण अंतिम चरण में पहुंच चुका है। परियोजना पूरी होने के बाद इस नेटवर्क को गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) को सौंप दिया जाएगा। इसके बाद पूरे क्षेत्र का वर्षा जल लेग-चार मास्टर कैरियर ड्रेन के माध्यम से निकाला जा सकेगा। बता दें कि वाटिका चौक से दिल्ली-जयपुर हाईवे तक जीएमडीए द्वारा नई लेग चार ड्रेन तैयार की जा चुकी है। अधिकारियों के अनुसार सेक्टर 81 से 87 तक का स्टार्म वाटर ड्रेनेज नेटवर्क तैयार हो चुका है

और इसे पहले ही जीएमडीए को सौंपा जा चुका है। वहीं सेक्टर 88 से 95 तक ड्रेनेज नेटवर्क का निर्माण अंतिम चरण में है। निर्माण पूरा होने के बाद इस हिस्से का भी संचालन और रखरखाव जीएमडीए के जिम्मे होगा, जिससे पूरे क्षेत्र में सेंट्रेलाइज्ड ड्रेनेज व्यवस्था लागू की जा सकेगी।

फिलहाल ग्रीन बेल्टों में हो रही निकासी: जब तक पूरा नेटवर्क तैयार नहीं हो जाता, तब तक सेक्टर 83 से 95 तक का वर्षा जल अस्थायी व्यवस्था के तहत चिह्नित ग्रीन बेल्ट क्षेत्रों की ओर मोड़ा जा रहा है। इससे वर्षा के दौरान पानी की निकासी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है, हालांकि यह स्थायी समाधान नहीं है। अधिकारियों का कहना है कि मास्टर नेटवर्क चालू होने के बाद इस अस्थायी व्यवस्था की जरूरत समाप्त हो जाएगी। परियोजना पूरी होने के बाद सेक्टर 80 से 95 तक का पूरा स्टार्म वाटर ड्रेनेज नेटवर्क सीधे लेग-4 मास्टर कैरियर ड्रेन से जुड़ जाएगा। इससे वर्षा का पानी तेजी से मुख्य ड्रेन तक पहुंचेगा और सड़कों, सर्विस लेन तथा रिहायशी इलाकों में जलभराव की समस्या काफी हद तक कम होगी। साथ ही जल निकासी की क्षमता बढ़ने से यातायात भी मानसून के दौरान अधिक सुचारु रहेगा।

जलभराव से मिलेगी राहत: जीएमडीए के एक्सईएन विक्रम सिंह ने बताया कि जीएमडीए और एचएसवीपी का लक्ष्य नए गुरुग्राम में ड्रेनेज नेटवर्क को पूरी तरह कार्यशील बनाकर मानसून के दौरान जलभराव को रोकना है। नेटवर्क के पूर्ण रूप से संचालित होने के बाद सेक्टर 80 से 95 तक के हजारों परिवारों को बेहतर जल निकासी सुविधा मिलेगी और लंबे समय से बनी जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान होगा।

हिंडन नहर रोड पर जगह-जगह गड्ढे, गाजियाबाद में प्रशासनिक लापरवाही से कांवड़ियों की डगर होगी कठिन

साहिबाबाद, एजेंसी। कांवड़ यात्रा 30 जुलाई से सावन शुरू होने के साथ ही शुरू हो जाएगी। कांवड़ यात्रा से पहले नगर निगम ने कांवड़ मार्ग पर गड्ढों को भरने का दावा किया था। बावजूद इसके ट्रांस हिंडन क्षेत्र में अभी भी कई जगह गड्ढे हैं। इन गड्ढों से राह से गुजरना भी मुश्किल है। यहां हादसे का खतरा बना रहता है। ऐसे में कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ियों की डगर कठिन हो सकती है।

लेकिन जिम्मेदार सुध नहीं ले रहे हैं। ट्रांस हिंडन क्षेत्र में हिंडन नहर रोड पर खोड़ा और वैशाली सेक्टर पांच और छह की पुलिया के पास, हिंडन बैराज बालाजी विहार और एलिवेटेड रोड के नीचे, जीटी रोड पर मोहननगर तिराहे के पास, लाजपत नगर, साहिबाबाद रेलवे स्टेशन और राजेंद्र नगर के पास और दिल्ली वजीराबाद रोड पर जगह-जगह अभी भी गड्ढे हैं। वैशाली सेक्टर- पांच व छह की पुलिया के पास हिंडन नहर रोड पर टूटी पड़ी सड़क। जागरण जीटी रोड पर हुए गड्ढे आए दिन हादसे का सबब बन रहे हैं। वर्षा के समय इन रास्तों से होकर गुजरना

कांवड़ियों के लिए परेशानी का सबब बन सकता है। वर्तमान में वर्षा भी हो रही है और सड़कों पर जलभराव के दौरान गड्ढे दिखाई नहीं देते हैं। कांवड़ यात्रा के दौरान इन गड्ढों के कारण हादसे हो सकते हैं। इसको लेकर लोगों को पहले से ही डर सता रहा है।

खोड़ा में नगर पालिका बनाएगी 600 मीटर सड़क: कांवड़ यात्रा को लेकर खोड़ा नगर पालिका द्वारा करीब 600 मीटर सड़क बनाई जाएगी। अधिशासी अधिकारी अवनीश कुमार शुक्ल ने बताया कि कांवड़ यात्रा को लेकर खोड़ा क्षेत्र में सड़क पर जहां भी गड्ढे हैं उनको भरा जाएगा। साथ ही करीब 600 मीटर सड़क बनाई जाएगी। इसके साथ ही कांवड़ मार्ग पर कांवड़ियों की सुविधा के लिए चिकित्सा बूथ, चेंजिंग रूम, पानी का टैंकर, मोबाइल टायलेट की सुविधा की जा रही है। कांवड़ मार्ग को दुरूस्त कराया जा रहा है। जहां-जहां गड्ढे हैं उनको भरा जा रहा है। जहां मार्ग बदहाल है उसे जल्द ही ठीक कराया जाएगा।

बिना समय बर्बाद किए...; पूर्व महिला IPS किरण बेदी ने की पीएम मोदी की तारीफ

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के धरना-प्रदर्शन पर बारीक नजर रख रही देश की पहली आईपीएस अधिकारी किरण बेदी ने पीएम मोदी के एक फैसले की तारीफ की है। बेदी ने कहा कि बिना समय बर्बाद किए परीक्षा सुधारों पर टास्क फोर्स बनाने के लिए प्रधानमंत्री द्वारा उठाए गए कदमों को देखकर बहुत खुशी हुई। देश की पहली महिला आईपीएस अधिकारी किरण बेदी ने परीक्षा सुधारों पर नंदन नीलेकणि की

अध्यक्षता वाली समिति का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि बिना समय बर्बाद किए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सक्रियता दिखाते हुए एक राष्ट्रीय टास्क फोर्स का गठन किया है। परीक्षा सुधारों पर टास्क फोर्स बनाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी द्वारा उठाए गए कदमों को देखकर बहुत खुशी हुई। बेदी ने कहा कि नंदन नीलेकणि इस काम के लिए बहुत सम्मानित और विश्वसनीय व्यक्ति हैं। हम उनसे राष्ट्रीय हित में बड़े बदलाव की उम्मीद करते हैं। पूर्व आईपीएस अधिकारी किरण बेदी दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के धरना-प्रदर्शन पर बारीक नजर रख रही हैं। इससे पहले भी बेदी ने इस मुद्दे पर अपने विचार और सलाह शेयर किए हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद उन्होंने सुझाव दिया कि शिक्षा मंत्रालय अब एक नई शुरुआत कर सकता है। ये ऐसा मौका है जिसे हाथ से जाने नहीं देना चाहिए। उन सभी चीजों की पहचान करें जिन्हें सही करने और बदलने की जरूरत है। लीडरशिप के लिए साफ संदेश है कि वे बात सुनने और सुधार करने के लिए हमेशा तैयार रहें। बेदी ने कहा कि कहा कि लोगों की जरूरतों और उम्मीदों को लेकर संवेदनशील रहने की जरूरत है। खासकर युवाओं के प्रति यह और जरूरी है क्योंकि उनकी पूरी जिंदगी अभी बाकी है। उन्होंने कहा कि हर तरह से असरदार और संवेदनशील गवर्नेंस पर फोकस करें। एक भी दिन बर्बाद नहीं करना है।

देश को रचनात्मक नेतृत्व की जरूरत: किरण बेदी ने कहा कि अब संसद की ओर देश उम्मीद भरी नजरों से देख रहा है। उम्मीद है कि बहसें राजनीति से ऊपर उठकर व्यावहारिक समाधान देंगी। हम ऐसी रणनीतियों को सुनने के लिए उत्सुक हैं जो समाज के सभी वर्गों में भरोसा जगाएं। साथ ही मौजूदा सरकार के सामने मौजूद अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों का सामना करने के लिए राष्ट्रीय संकल्प को मजबूत करें। देश को रचनात्मक नेतृत्व की जरूरत है।

हिंसा से बचाना चाहिए: इससे पहले बेदी ने ऐसे प्रदर्शनों से निपटने के लिए पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को एक सलाह भी दी थी। बेदी ने कहा था कि छात्रों के विरोध-प्रदर्शनों से निपटने के लिए सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स को तैनात करना चाहिए। कहा कि सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स सुरक्षा की पहली पंक्ति हो सकते हैं, ठीक वैसे ही जैसे सीमा पर बीएसएफ होती है। उन्होंने कहा कि सुरक्षात्मक उपायों के साथ बिना लाठी-डंडे के इन वॉलंटियर्स को छात्र प्रदर्शनकारियों का सामना करना चाहिए। इसके अलावा दंगा-रोधी पुलिस को उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए और किसी भी तरह की हिंसा या सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान से बचाना चाहिए। दिल्ली में काम कर चुकीं बेदी ने सुझाव दिया कि हर राज्य में सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स या होम गार्ड होते हैं। छात्रों के विरोध-प्रदर्शन से पैदा होने वाली स्थितियों से निपटने के लिए उनके जवानों को बेहतर ट्रेनिंग दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि दंगा-रोधी पुलिस को तभी कार्रवाई करनी चाहिए जब सिविल डिफेंस की लाइन टूट रही हो या उस पर कोई खतरा हो।

टोरंटो में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास पर फायरिंग, चार महीने में दूसरी बार चली गोलियां; जांच तेज

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के टोरंटो शहर स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास पर सोमवार सुबह एक बार फिर फायरिंग की गई। यह इस वर्ष दूतावास पर गोलीबारी की दूसरी घटना है। घटना के बाद पुलिस ने तेज रफ्तार से भाग रही एक सफेद कार का पीछा किया, लेकिन सुरक्षा कारणों से पीछा बीच में ही रोक दिया गया।

पुलिस ने घटना के बारे में क्या बताया: सीबीसी न्यूज के अनुसार, दूतावास के पास नियमित गश्त पर मौजूद एक पुलिस अधिकारी ने सुबह करीब 4:45 बजे गोली चलने की आवाज सुनी। इसके तुरंत बाद उसने बिना नंबर प्लेट वाली सफेद होंडा अकॉर्ड कार को तेज रफ्तार से मौके से भागते हुए देखा। पुलिस ने डॉन वैली पार्कवे तक कार का पीछा किया, लेकिन वाहन की रफ्तार 140

किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक होने के कारण पीछा रोक दिया गया।

घटनास्थल से क्या मिला: टोरंटो पुलिस के डिप्टी चीफ फ्रैंक बैरेडो ने इस घटना को बेहद दुस्साहसी और निंदनीय बताया। पुलिस ने दूतावास के पास से एक खोखा बरामद किया है और इमारत के बाहरी हिस्से पर क्षति भी पाई गई है। हालांकि, इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस अभी हमले के मकसद और कार में सवार लोगों की संख्या का पता लगाने में जुटी है। टोरंटो पुलिस ने बताया कि फिलहाल वह हवाई सहायता के लिए अन्य एजेंसियों के हेलीकॉप्टरों पर निर्भर है और इस वर्ष के अंत तक विभाग को अपना विमान मिलने की उम्मीद है।

मेयर और सुरक्षा एजेंसियों ने क्या कहा: टोरंटो की मेयर ओलिविया चाउ ने कहा कि उन्होंने कनाडा के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री गैरी आनंदसंगरी से शहर में अवैध हथियारों और गोलीबारी की घटनाओं को रोकने के उपायों पर चर्चा की है। उन्होंने इस हमले को दुस्साहसी हमला बताया और कहा कि जिम्मेदार लोगों को पकड़ा जाएगा। वहीं, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने कहा कि वह टोरंटो पुलिस और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर मामले की जांच कर रही है। एजेंसी ने स्पष्ट किया कि कनाडा में किसी भी व्यक्ति के खिलाफ हिंसा और धमकियों को बेहद गंभीरता से लिया जाता है।

अंतरिक्ष में इतिहास रचेंगे भारतीय मूल के अनिल मेनन: अगले हफ्ते करेंगे अपना पहला स्पेसवॉक; करेंगे ये काम

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। भारतीय मूल के नासा के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन अगले हफ्ते अपने करियर की पहली स्पेसवॉक (अंतरिक्ष में चहलकदमी) करेंगे। वह इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से बाहर निकलकर सोलर एरे को अपग्रेड करेंगे और कम्युनिकेशन एंटीना बदलेंगे। नासा ने सोमवार को यह जानकारी दी। केरल के पलक्कड़ से ताल्लुक रखने वाले अनिल मेनन अपने साथी अंतरिक्ष यात्री जेसिका मीर के साथ 6 अगस्त से स्पेसवॉक की शुरुआत करेंगे। वे भविष्य में इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन रोल-आउट सोलर एरे (आईरोसा) की स्थापना के लिए ऑर्बिटल लैब को तैयार करेंगे। आईरोसा स्टेशन के सुरक्षित और नियंत्रित डिऑर्बिट समेत महत्वपूर्ण कार्यों के लिए अतिरिक्त बिजली प्रदान

करेगा। स्पेसवॉक 6 अगस्त, 13 अगस्त और 25 अगस्त को तय किए गए हैं।

दूसरी स्पेसवॉक में कौन-सा अहम मिशन पूरा करेंगे: 13 अगस्त को होने वाले दूसरे स्पेसवॉक के दौरान अंतरिक्ष यात्री स्पेस-टू-ग्राउंड एंटीना बदलेंगे। यह महत्वपूर्ण संचार प्रणाली है, जिसका उपयोग नासा के ह्यूस्टन स्थित मिशन कंट्रोल सेंटर और स्पेस स्टेशन के बीच डेटा तथा हाई-स्पीड संचार भेजने के लिए किया जाता है।

25 अगस्त की स्पेसवॉक में क्या-क्या होगा: 25 अगस्त को होने वाले स्पेसवॉक में क्रू मेंबर पावर चैनल केबल और डेटा रिले सिस्टम जोड़ेंगे। इसके अलावा हार्मनी मॉड्यूल के फॉरवर्ड पोर्ट पर अंतरिक्ष यान की डॉकिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले नेविगेशन एड को भी बदला जाएगा।

अंतरिक्ष से स्टारबेस की तस्वीर क्यों हुई चर्चा में: अनिल मेनन ने पिछले सप्ताह अंतरिक्ष से स्पेसएक्स के साउथ टेक्सास स्थित लॉन्च साइट स्टारबेस की तस्वीर साझा की थी। मेनन ने सोयुज एमएस-29 अंतरिक्ष यान के जरिए 14 जुलाई को स्पेस स्टेशन की यात्रा पूरी की थी। वह कक्षा में लगभग आठ महीने बिताएंगे और इस दौरान वैज्ञानिक प्रयोगों तथा तकनीकी प्रदर्शनों में हिस्सा लेंगे।

इराक पर ड्रोन से ताबड़तोड़ हमले, ईरान की कार्रवाई के बाद इरबिल में कई धमाके सुने गए

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि अगर रूस ने अमेरिका के खिलाफ जारी संघर्ष में ईरान की किसी भी तरह मदद की है, तो उसका कोई खास असर नहीं पड़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से इस बारे में पूछेंगे। यह बयान यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के हालिया आरोपों के बाद आया है। जेलेंस्की ने आरोप लगाया था कि रूस अमेरिका के सैन्य ठिकानों और खाड़ी देशों के ठिकानों पर हमले करने के लिए ईरान को उपग्रह से जुड़ी खुफिया जानकारी दे रहा है। जेलेंस्की ने यह भी बताया था कि रूस अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने के लिए उत्तर कोरिया से 30 हजार सैनिक लेने की तैयारी कर रहा है। एयर फोर्स वन विमान में पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने ईरान को बहुत नुकसान पहुंचाया है और संघर्ष में अपनी ताकत दिखाई है। उन्होंने कहा कि अगर रूस ईरान की मदद कर भी रहा है, तब भी ईरान कमजोर हो रहा है।

ट्रंप ने कहा, हम पता लगाएंगे कि यह सच है या नहीं। मैं इस बारे में पुतिन से

पूछूंगा। हम पता लगाएंगे। उन्होंने कहा, इसका ज्यादा असर नहीं पड़ा, क्योंकि हमने ईरान को बहुत नुकसान पहुंचाया है। हो सकता है कि वे मदद कर रहे हों, लेकिन अगर ऐसा है तो भी यह काम नहीं आया, क्योंकि उनके पास न सेना है, न वायुसेना है, न नौसेना है और उनके पास कुछ भी नहीं है।

हूती और सऊदी अरब के बीच संघर्ष में अमेरिका अभी शामिल नहीं: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच जारी संघर्ष को लेकर अमेरिका की स्थिति साफ की। उन्होंने कहा कि अभी अमेरिका इस मामले में शामिल नहीं है, लेकिन अगर कोई समस्या होती है तो भविष्य में दखल दिया जा सकता है। एयर फोर्स वन विमान में पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा कि फिलहाल अमेरिका सऊदी अरब के साथ बातचीत कर रहा है। यह बातचीत दोनों देशों के बीच होने वाले असैन्य परमाणु समझौते को लेकर चल रही है। लेकिन अगर कोई समस्या होती है, तो हम ऐसा कर सकते हैं। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या उन्हें कोई संकेत मिला है कि उनकी शर्त के अनुसार सऊदी अरब अब्राहम समझौते में शामिल होगा, तो उन्होंने कहा, हमने इस बारे में बात नहीं की है।

इसके अलावा, ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी ने इराकी सूत्रों के हवाले से बताया कि अनबार प्रांत में एक अमेरिकी ड्रोन को नष्ट कर दिया गया। स्थानीय मीडिया ने हदीथा बांध के पास अमेरिकी ड्रोन के गिरने की तस्वीरें भी प्रकाशित कीं। इन हमलों के साथ इराक के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में सैन्य गतिविधियां भी तेज हो गईं। आईआरआईबी के अनुसार, सुलेमानिया में स्थित खोर मोर गैस क्षेत्र पर भी हमला किया गया।हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के ड्रोन रोकने के दावे को बताया झूठा

यमन के हूती विद्रोहियों ने सोमवार को सऊदी अरब के खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सऊदी अरब पर आरोप लगाया कि वह अपने तेल ठिकानों को निशाना बनाने वाले कई ड्रोन को रोकने के बाद अपनी नाकामी को छिपाने की कोशिश कर रहा है। यमन की सरकारी समाचार एजेंसी सबा के निदेशक मंडल के अध्यक्ष नसरूद्दीन आमेर ने एक्स पर एक पोस्ट में रक्षा मंत्रालय के एक सूत्र का हवाला दिया। इस सूत्र ने सऊदी अरब के दावों को उसकी वायु रक्षा प्रणाली की नाकामी छिपाने की कोशिश बताया। सूत्र के अनुसार, सऊदी अरब के रक्षा और विदेश मंत्रालय के बयान केवल इसलिए आए, ताकि वह अपनी रक्षा प्रणाली की उस नाकामी को छिपा सके, जो यमनी ड्रोन को पहचानने और उन्हें रोकने में असफल रही। सूत्र ने दावा किया कि यमनी ड्रोन अपने लक्ष्यों तक पहुंचने में सफल रहे। सूत्र ने कहा कि यमन ने तनाव कम करने की अवधि के दौरान भी सऊदी अरब के हमलों और उल्लंघनों को झेला है। उसने रियाद से यमन की संप्रभुता का सम्मान करने की मांग की।

कलेक्टर ने शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली का किया निरीक्षण

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अनुकूल शैक्षणिक वातावरण विकसित करने, संसाधनों के प्रभावी उपयोग और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर दिया जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा ने मंगलवार को शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, मझौली का निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए उपलब्ध संसाधनों, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय और अन्य सुविधाओं का अवलोकन किया कलेक्टर ने अधिकारियों एवं प्राध्यापकों को निर्देश दिए कि शासन द्वारा उपलब्ध कराए गए संसाधनों का अधिकतम और प्रभावी उपयोग विद्यार्थियों के हित में सुनिश्चित किया जाए कलेक्टर ने कहा कि महाविद्यालय में विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम आधारित शिक्षा देने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें रोजगारोन्मुखी, गुणवत्तापूर्ण और प्रतिस्पर्धात्मक शिक्षा के अवसर भी उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों के सामने प्रतियोगी परीक्षाओं और रोजगार के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने की चुनौती है ऐसे में महाविद्यालयों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बने सकारात्मक माहौल: निरीक्षण के दौरान कलेक्टर विकास मिश्रा ने प्राध्यापकों के साथ विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालय में सकारात्मक, अनुशासित और प्रेरणादायक शैक्षणिक वातावरण विकसित किया जाना चाहिए उन्होंने कहा कि ग्रामीण और अंचल के विद्यार्थियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। अनेक विद्यार्थी सीमित संसाधनों के बावजूद मेहनत और लगन से आगे बढ़ने की क्षमता रखते हैं। आवश्यकता केवल उन्हें उचित दिशा, नियमित मार्गदर्शन, अध्ययन सामग्री और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की है कलेक्टर ने प्राध्यापकों से कहा कि वे विद्यार्थियों की रुचि, क्षमता और लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें मार्गदर्शन दें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन के लिए प्रेरित किया जाए तथा उपलब्ध पुस्तकालय एवं अन्य शैक्षणिक संसाधनों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में ऐसा वातावरण तैयार किया जाना चाहिए, जहां विद्यार्थी अपनी नियमित स्नातक शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी प्रभावी ढंग से कर सकें। विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी के साथ समय प्रबंधन, नियमित अध्ययन और लक्ष्य निर्धारण के लिए भी मार्गदर्शन देने पर जोर दिया गया। कलेक्टर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों में प्रतिभा की कमी नहीं है, लेकिन कई बार उचित मार्गदर्शन और संसाधनों के अभाव में उन्हें अपेक्षित अवसर नहीं मिल पाते। ऐसे विद्यार्थियों को महाविद्यालय स्तर पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनकी क्षमता को निखारा जा सकता है उन्होंने कहा कि यदि विद्यार्थियों को समय पर सही दिशा और पर्याप्त शैक्षणिक सहयोग मिले तो वे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल कर अपने परिवार, क्षेत्र और जिले का नाम रोशन कर सकते हैं उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर नियमित रूप से अध्ययन करने और निरंतर प्रयास करते रहने के लिए प्रेरित किया कलेक्टर ने प्राध्यापकों से अपेक्षा की कि वे विद्यार्थियों के साथ संवाद बढ़ाएं और उनकी शैक्षणिक समस्याओं को समझकर उनका समाधान करने का प्रयास करें विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने की दिशा में भी कार्य करने के निर्देश दिए गए।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में प्रवेश प्रक्रिया अंतिम चरण में

31 जुलाई तक सीएलसी चरण में मिलेगा प्रवेश, 871 सीटें अभी भी रिक्त

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। 28 जुलाई 2026। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में शैक्षणिक सत्र 2026-27 की प्रवेश प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुंच गई है महाविद्यालय के विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में अभी भी 871 सीटें रिक्त हैं इच्छुक विद्यार्थी कॉलेज लेवल काउंसिलिंग (सीएलसी) चरण के माध्यम से 31 जुलाई तक प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं महाविद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि 28 जुलाई तक बीए में 19, बीएससी में 4, बीकॉम में 19 और बीकॉम (रिटेल ऑपरेशन्स) में 45 सीटें रिक्त हैं। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में एमए प्रथम वर्ष की 265, एमए द्वितीय वर्ष की 244, एमकॉम प्रथम वर्ष की 20, एमकॉम द्वितीय वर्ष की 60, एमएससी प्रथम वर्ष की 85 और एमएससी द्वितीय वर्ष की 99 सीटें खाली हैं। इसके अलावा पीजीडीसीए में 11 सीटों पर प्रवेश लिया जा सकता है।

पिछले वर्ष की तुलना में बढ़ा प्रवेश: प्राचार्य के अनुसार इस वर्ष महाविद्यालय में पिछले वर्षों की तुलना में विद्यार्थियों ने अधिक संख्या में प्रवेश लिया है अब तक स्नातक स्तर पर 2,461 विद्यार्थियों का प्रवेश हो चुका है जबकि स्नातकोत्तर स्तर पर 887 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है प्रवेश संख्या में हुई वृद्धि को महाविद्यालय के प्रति विद्यार्थियों के बढ़ते विश्वास और आकर्षण से जोड़कर देखा जा रहा है वर्तमान में महाविद्यालय में कॉलेज लेवल काउंसिलिंग के तहत प्रवेश प्रक्रिया संचालित की जा रही है इच्छुक विद्यार्थी प्रतिदिन चॉइस फिलिंग कर सकते हैं और उसी दिन शाम 5 बजे तक प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। यह प्रक्रिया 31 जुलाई 2026 तक जारी रहेगी महाविद्यालय प्रबंधन ने इच्छुक विद्यार्थियों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार न करते हुए समय रहते चॉइस फिलिंग और प्रवेश की प्रक्रिया पूरी करें।

स्नातक का रिजल्ट नहीं आने से छात्रों के आगे के प्रवेश में बढ़ी बाधा

छात्र संगठन ने विश्वविद्यालयों और सरकार से जल्द परिणाम जारी करने की मांग की, कहा- करियर प्रभावित होने का खतरा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने के बीच स्नातक पाठ्यक्रमों के परीक्षा परिणाम जारी नहीं होने से विद्यार्थियों के सामने आगे की पढ़ाई में प्रवेश का संकट खड़ा हो गया है छात्र संगठन स्टूडेंट एजुकेशन वेलफेयर एसोसिएशन के संयोजक इंद्रलाल पटेल ने संबंधित विश्वविद्यालयों एवं सरकार से स्नातक कक्षाओं के लंबित परिणाम जल्द जारी करने की मांग की है इंद्रलाल पटेल ने कहा कि देश के कई विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। कई विद्यार्थी प्रवेश परीक्षाएं भी उत्तीर्ण कर चुके हैं लेकिन स्नातक का अंतिम वर्ष का परिणाम जारी नहीं होने के कारण वे निर्धारित समय पर

प्रवेश प्रक्रिया पूरी नहीं कर पा रहे हैं इससे विद्यार्थियों के सामने आगे की पढ़ाई को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है उन्होंने बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय, बीएचयू, इलाहाबाद विश्वविद्यालय सहित कई उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। ऐसे में स्नातक के अंतिम वर्ष का परिणाम समय पर जारी नहीं होने से उन विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है जिन्होंने प्रवेश परीक्षा में सफलता हासिल की है और अब आगे की प्रक्रिया पूरी करना चाहते हैं छात्र संगठन का कहना है कि विश्वविद्यालयों को परीक्षा मूल्यांकन और परिणाम जारी करने की प्रक्रिया में तेजी लानी चाहिए, ताकि विद्यार्थियों को दूसरे संस्थानों में प्रवेश के लिए आवश्यक दस्तावेज समय पर उपलब्ध हो सकें परिणाम में देरी के कारण विद्यार्थियों का शैक्षणिक सत्र प्रभावित होने की आशंका भी बनी हुई है इंद्रलाल पटेल ने सरकार और संबंधित शैक्षणिक संस्थानों से मांग की है कि स्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षाओं एवं परिणामों को जल्द से जल्द पूरा कराया जाए उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत से प्रवेश परीक्षाएं उत्तीर्ण की हैं, इसलिए परिणाम में देरी के कारण उनका भविष्य और करियर प्रभावित नहीं होना चाहिए छात्रों को समय पर आगे की पढ़ाई में प्रवेश का अवसर मिलना जरूरी है।

रीवा रियासत का 150 साल पुराना शिकारगाह जर्जर, संरक्षण की मांग

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। रीवा और सीधी जिले की सीमा पर छुहिया घाटी में स्थित रीवा रियासत का करीब 150 वर्ष पुराना ऐतिहासिक शिकारगाह रखरखाव के अभाव में जर्जर होता जा रहा है भवन की दीवारों और अंदरूनी हिस्सों में टूट-फूट के निशान दिखाई दे रहे हैं स्थानीय लोगों और इतिहास प्रेमियों ने प्रशासन से इस ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण की मांग की है जानकारों के अनुसार पहाड़ी की ऊंचाई पर बने इस भवन का निर्माण रीवा रियासत के शासनकाल में कराया गया था। ऐतिहासिक अभिलेखों के मुताबिक निर्माण कार्य महाराज व्यंकट रमण सिंह जूदेव के समय शुरू हुआ और बाद में महाराजा गुलाब सिंह जूदेव के शासनकाल में इसका विस्तार किया गया राजसी दौर में इस भवन का उपयोग शिकार, विश्राम और आसपास के वन क्षेत्र की निगरानी के लिए किया जाता था ऊंचाई पर स्थित होने के कारण यहां से छुहिया घाटी, जंगल और आसपास का विस्तृत क्षेत्र दिखाई देता है। पत्थरों से बनी मूल संरचना आज भी इसकी पुरानी वास्तुकला की झलक देती है लेकिन कई हिस्सों में क्षति के निशान हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि भवन को संरक्षित कर क्षेत्र को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सकता है सीधी वन मंडल की डीएफओ प्रीती अहिरवार के अनुसार यह रीवा-सीधी सीमा पर स्थित करीब 150 वर्ष पुराना भवन है वन विभाग इसकी लगातार निगरानी कर रहा है ताकि ऐतिहासिक धरोहर को नुकसान न पहुंचे और इसकी पहचान सुरक्षित बनी रहे।

चौगनहा में 8 दिन बाद लौटी बिजली, विधायक के हस्तक्षेप से बदला जला ट्रांसफार्मर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। रामपुर नैकिन जनपद पंचायत के ग्राम चौगनहा में करीब आठ दिनों से बाधित बिजली आपूर्ति मंगलवार सुबह बहाल हो गई गांव में जले हुए ट्रांसफार्मर को बदलकर नया ट्रांसफार्मर लगाए जाने के बाद 100 से अधिक ग्रामीणों को राहत मिली लंबे समय से बिजली बंद होने के कारण ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था ग्रामीणों के अनुसार गांव में लगा ट्रांसफार्मर खराब होने के बाद बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई थी समस्या के समाधान के लिए बिजली विभाग के अधिकारियों को कई बार सूचना और शिकायत दी गई लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि समय पर ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया। लगातार आठ दिनों तक बिजली नहीं आने से गांव में लोगों के दैनिक कामकाज प्रभावित रहे और ग्रामीणों में विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ती गई।

विधायक से लगाई गुहार: स्थानीय निवासी अंकुश पांडे ने बताया कि जब बिजली विभाग से शिकायत के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो ग्रामीणों ने चुरहट विधायक अजय सिंह राहुल से संपर्क किया ग्रामीणों ने विधायक को गांव की स्थिति से अवगत कराते हुए जल्द बिजली आपूर्ति बहाल कराने की मांग की ग्रामीणों का कहना है कि बिजली लंबे समय तक बंद रहने से घरेलू कार्यों के साथ-साथ बच्चों की पढ़ाई और अन्य जरूरी गतिविधियां भी प्रभावित हो रही थीं ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधि से हस्तक्षेप की मांग करते हुए खराब ट्रांसफार्मर को जल्द बदलवाने की अपील की थी विधायक अजय सिंह राहुल ने शिकायत मिलने के बाद बिजली विभाग के अधिकारियों से तत्काल बातचीत की और ट्रांसफार्मर बदलने के निर्देश दिए इसके बाद विभागीय अमला सक्रिय हुआ और मंगलवार सुबह करीब 9 बजे नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर दिया गया नया ट्रांसफार्मर लगने के बाद गांव में बिजली आपूर्ति शुरू हो गई आठ दिन से बिजली संकट झेल रहे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली बिजली बहाल होने के बाद गांव में सामान्य स्थिति लौटने लगी।

कलेक्टर विकास मिश्रा ने सांदीपनि विद्यालय ताला का किया निरीक्षण

विद्यार्थियों से संवाद कर पढ़ाई और सुविधाओं की ली जानकारी, शैक्षणिक गुणवत्ता में निरंतर सुधार के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा ने मंगलवार को सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, ताला का निरीक्षण कर विद्यालय की शैक्षणिक एवं व्यवस्थागत गतिविधियों का जायजा लिया निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न कक्षाओं में पहुंचकर शिक्षण कार्य का अवलोकन किया और विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर उनकी पढ़ाई, विषयगत समझ, विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं तथा शिक्षण व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की कलेक्टर ने विद्यार्थियों से विभिन्न विषयों से संबंधित प्रश्न पूछे और उनकी शैक्षणिक तैयारी को परखा उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासित दिनचर्या और स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया कलेक्टर ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है प्रत्येक विद्यार्थी अपनी क्षमता के अनुरूप बेहतर प्रदर्शन कर सकता है बशर्ते वह नियमित अध्ययन, आत्मविश्वास और मेहनत को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाए।

कमजोर विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश: विद्यालय के शिक्षकों के साथ चर्चा करते हुए कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी की सीखने और समझने की क्षमता अलग-अलग होती है इसलिए शिक्षण पद्धति को विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रभावी और रुचिकर बनाया जाना चाहिए उन्होंने कमजोर विद्यार्थियों की पहचान कर उन पर विशेष ध्यान देने, नियमित मूल्यांकन करने तथा आवश्यकतानुसार विषयवार अतिरिक्त कक्षाएं संचालित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत ने सुनीं 225 आवेदकों की समस्याएं,अधिकारियों

को त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला पंचायत सीधी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने मंगलवार को आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई में जिले के विभिन्न ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों से पहुंचे 225 आवेदकों की समस्याएं और शिकायतें गंभीरतापूर्वक सुनीं उन्होंने प्रत्येक आवेदक से उसकी समस्या की जानकारी ली और संबंधित विभागीय अधिकारियों से प्रकरण की वस्तुस्थिति के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जनसुनवाई के दौरान सीईओ जिला पंचायत ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन से जुड़े प्रत्येक आवेदन का संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ परीक्षण किया जाए उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं के निराकरण में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए जिन प्रकरणों के लिए समय-सीमा निर्धारित है उनका प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए। शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने अधिकारियों से कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर की गई कार्रवाई की जानकारी संबंधित आवेदक को भी अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए इससे नागरिकों को अपने आवेदन की स्थिति के बारे में जानकारी मिल सकेगी और उन्हें बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे उन्होंने कहा कि जनसुनवाई शासन की महत्वपूर्ण व्यवस्था है, जिसका उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं को प्रशासन के समक्ष सीधे पहुंचाना और उनका प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। अधिकारियों को केवल आवेदन प्राप्त करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को नियमानुसार राहत दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई भी सुनिश्चित करनी चाहिए। सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य केवल शिकायतें और आवेदन प्राप्त करना नहीं है इसका वास्तविक उद्देश्य नागरिकों को त्वरित राहत प्रदान करना और शासन-प्रशासन के प्रति उनका विश्वास मजबूत करना है उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और ऐसे मामलों का शीघ्र निराकरण करें, जिनमें एक से अधिक विभागों की भूमिका है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले आवेदकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए अधिकारियों द्वारा प्रकरणों का निष्पक्ष परीक्षण करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाए और आवेदकों को परिणाम से अवगत कराया जाए।

मझौली में कलेक्टर ने सुनीं आमजन की समस्याएं, 235 आवेदनों पर हुई सुनवाई

उपखंड स्तर पर जनसुनवाई को मिला नया आयाम, अधिकारियों को त्वरित और समयबद्ध निराकरण के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में जनसुनवाई व्यवस्था को अधिक प्रभावी, परिणाममुखी और जनोन्मुखी बनाने की दिशा में नई पहल शुरू की गई है। इसी क्रम में कलेक्टर विकास मिश्रा ने मंगलवार को जनपद पंचायत मझौली के प्रज्ञा भवन में आयोजित उपखंड स्तरीय जनसुनवाई में स्वयं उपस्थित होकर आमजन की समस्याएं सुनीं जनसुनवाई में कुल 235 आवेदन प्राप्त हुए कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदक से संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को उनके निराकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश

दिए कलेक्टर विकास मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर उसका परीक्षण किया जाए। सभी प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए साथ ही आवेदकों को उनके आवेदन पर की गई कार्रवाई की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाए ताकि उन्हें अपनी शिकायत के संबंध में अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें कलेक्टर ने बताया कि जनसुनवाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अब प्रत्येक मंगलवार जिला मुख्यालय के साथ-साथ जिले के सभी उपखंड मुख्यालयों पर आयोजित होने वाली जनसुनवाई में वे क्रमबद्ध रूप से किसी एक उपखंड में स्वयं उपस्थित होंगे। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को स्थानीय स्तर पर ही अपनी समस्याएं सीधे कलेक्टर के समक्ष रखने का अवसर प्रदान करना है उन्होंने कहा कि उपखंड स्तर पर कलेक्टर की मौजूदगी से नागरिकों को अपनी शिकायत लेकर जिला मुख्यालय तक आने की आवश्यकता कम होगी इससे आमजन के समय, श्रम और धन की बचत होगी तथा स्थानीय स्तर पर ही समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान की प्रक्रिया मजबूत होगी।`क्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक समय पर पहुंचना सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का केवल औपचारिक निराकरण न करते हुए उनकी वास्तविक स्थिति का परीक्षण किया जाए और जरूरतमंद लोगों को नियमानुसार राहत उपलब्ध कराई जाए उन्होंने कहा कि प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान और पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाना है। अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ जनसमस्याओं को सुनने और उनके समाधान के लिए समन्वयपूर्वक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के दौरान उपखंड अधिकारी मझौली आर.पी. त्रिपाठी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सुरभि श्रीवास्तव सहित विभिन्न विभागों के खंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

महुगढ़ के मंदिर में 24 घंटे डटा रहा 7 फीट लंबा रेड स्नेक, वन विभाग ने किया रेस्क्यू

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के महुगढ़ गांव स्थित एक मंदिर में करीब 7 फीट लंबा रेड स्नेक मिलने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई सांप करीब 24 घंटे तक मंदिर परिसर में मौजूद रहा जिसके कारण पूजा-अर्चना भी प्रभावित हुई। मंगलवार को वन विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद सांप को सुरक्षित रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ दिया जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह करीब 10 बजे मंदिर के पुजारी वीरभान मिश्रा पूजा करने पहुंचे थे इसी दौरान उन्होंने भगवान शंकर की मूर्ति के पास सांप को देखा आहट मिलते ही सांप हनुमान जी की मूर्ति के पीछे छिप गया सूचना मिलने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मंदिर पहुंचे, लेकिन प्रयास के बावजूद सांप बाहर नहीं निकला मंगलवार सुबह वन विभाग के कंट्रोल रूम को सूचना दी गई वनपाल पंकज मिश्रा टीम के साथ मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू अभियान शुरू किया सांप को पकड़ने के दौरान उसने अपनी पूंछ से वनपाल के पैर को कसकर जकड़ लिया कुछ देर की मशक्कत के बाद उन्होंने खुद को छुड़ाया और सांप को सुरक्षित पकड़ लिया वनपाल पंकज मिश्रा के अनुसार रेड स्नेक अत्यधिक विषैला नहीं होता, हालांकि खतरा महसूस होने पर यह हमला कर सकता है यह चूहों और छोटे जीवों का शिकार करता है जिससे फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले जीवों की संख्या नियंत्रित रहती है वन विभाग ने लोगों से अपील की कि सांप दिखाई देने पर उसे नुकसान न पहुंचाएं और तत्काल वन विभाग को सूचना दें।

आंदोलन की कामयाबी

संपादकीय

नीट पेपर लीक और अन्य परीक्षाओं से जुड़ी अनियमितताओं के खिलाफ छात्रों ने जो कई सप्ताह लंबा आंदोलन चलाया,उसकी तार्किक परिणति सबके सामने है। सरकार को छात्र आंदोलन के सामने झुकना पड़ा। जिसके फलस्वरूप शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हुआ। एक बार फिर मोदी सरकार को आंदोलनकारियों के दबाव में फैसला लेना पड़ा। भाजपा के नेता कहते रहे हैं कि इस सरकार में मंत्रियों के इस्तीफे नहीं हुआ करते। युवाओं के इस आंदोलन ने किसान आंदोलन की याद ताजा कर दी, जब सरकार को किसानों के एक साल चले आंदोलन के बाद तीन कृषि कानून वापस लेने पड़े थे। वहीं सरकार को उस संकट को स्वीकार करना पड़ा, जो भारतीय शिक्षा व्यवस्था में दशकों से शिकंजा कसे हुआ था। बहरहाल, सड़कों पर उतरे छात्रों के आंदोलन से साफ संदेश सामने आया कि अब भारत के युवा उस सिस्टम से जवाबदेही मांग कर रहे हैं, जो उनके भविष्य का निर्धारण करता है। एक और बात स्पष्ट रूप से सामने आई है कि युवाओं के इस आंदोलन ने देश के समक्ष मौजूदा दो सबसे बड़ी चुनौतियों- शिक्षा और बेरोजगारी को फिर सार्वजनिक बहस के केंद्र में ला खड़ा किया है। ऐसा नहीं है कि इन मुद्दों पर चर्चा पहले नहीं हुई। लेकिन यह महज नीतियां बनाने और चुनावी भाषणों में चर्चा तक सीमित रह गया था। विडंबना यह है कि देश में एक के बाद एक आई सरकारों ने कभी इस चुनौती का सीधे तौर पर मुकाबला नहीं किया। वहीं इस छात्र आंदोलन ने यह भी साबित किया है कि हम जिस पीढ़ी को अक्सर महज 'डिजिटल दुनिया में खोई हुई' पीढ़ी मानते रहे हैं, वह पीढ़ी संस्थागत सुधारों के लिये पूरी चेतना के साथ सामने आ सकती है। निस्संदेह, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद केंद्र को आत्ममंथन करना चाहिए। लेकिन सुधार की उसकी इच्छा महज मंत्रियों और अधिकारियों को हटाने तक ही सीमित न रहे। ऐसी स्थिति में जब शिक्षा में सीमित सीटों और नौकरियों के लिये लाखों प्रतियोगी कड़ा मुकाबला करते हैं, सरकार सोचे कि प्रवेश परीक्षाओं को कैसे पारदर्शी व फूलप्रूफ बनाया जाए। इन्हें कितनी जिम्मेदारी के साथ आयोजित किया जाता है, इसकी गंभीरता से जांच होनी चाहिए। निस्संदेह, परीक्षा में धोखाधड़ी के खिलाफ प्रस्तावित कठोर कानून, फास्ट-ट्रैक कोर्ट और सख्त सजा आवश्यक कदम हो सकते हैं, लेकिन सिर्फ कठोर कानून मात्र से बिगड़ा हुआ ढांचा ठीक नहीं होगा। वास्तव में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी और सार्वजनिक परीक्षाओं के स्वरूप में पारदर्शिता, तकनीकी सुरक्षा और स्वतंत्र निगरानी जरूरी है। संसद में इन सुधारों पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए। सत्ता पक्ष के साथ ही विपक्ष भी समझ ले कि छात्रों के भविष्य को राजनीतिक बाजीगरी का अखाड़ा नहीं ही बनाया जाना चाहिए। भारत आज एक युवा देश है, जिसकी आधी से ज्यादा आबादी तीस साल से कम उम्र वाली है। ऐसे में हमें एक ऐसे शिक्षा तंत्र की जरूरत है, जो युवाओं का भरोसा कायम करे। साथ ही योग्य प्रतिभागियों को न्याय मिले। एक संदेश साफ है कि अब जेन-ज़ी को गंभीरता से लेना होगा।।

साधन पथ प्रदर्शक हैं गुरु, किन्तु साध्य नहीं

डॉ. उमेश चन्द्र शर्मा

सद्गुरु पूजनीय, वंदनीय और पथ प्रदर्शक हैं, वह शिष्य के अज्ञान अंधकार को दूर कर ज्ञान रुपी दीपक जलाने वाला और परमात्म प्राप्ति हेतु साधन का दिग्दर्शन कराने वाला महापुरुष है। वह केवल गुरु ही है, जो अपने शिष्य में पिंड से लेकर ब्रह्मांड तक दर्शन की क्षमता विकसित करता है, गुरु ही अपने शिष्य को कर्म ज्ञान और भक्ति का यथार्थ दर्शन कराता है, जिसके सहारे शिष्य अध्यात्म के उस शिखर पर पहुंच सकता है, जहां जाने के बाद सांसारिक सुख-समृद्धि और वैभव तुच्छ दिखाई देने लगते हैं किंतु वह साध्य नहीं है और न ही ध्येय हो सकता है। ध्येय है, सर्वव्यापी, निर्विकार, निराकार और नियंता, परब्रह्म परमात्मा।

गुरु का महत्व समझाते हुए अक्सर इन पंक्तियों को भी उद्धृत किया जाता है। संत कबीरदास का यह प्रसिद्ध दोहा गुरु की महिमा का बखान करता है-

'गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पायँ।
बलिहारी गुरु आपनो, गोविंद दियो बतायँ।। '

(गुरु और ईश्वर दोनों एक साथ खड़े हों तो पहले किसे प्रणाम करना चाहिए? ऐसे में गुरु के चरण पहले छूने चाहिए क्योंकि गुरु ने ही हमें ईश्वर तक पहुँचने का सही मार्ग और ज्ञान दिया है।)

यह सदुरु की महिमा है किंतु इस उक्ति का अभिप्राय ऐसा नहीं लिया जाना चाहिए कि गुरू ने गोविंद का पथ बतलाया है इसलिए उन्हें ही पकड़ कर बस वहीं ठहर जाना चाहिए बल्कि इसको इस रूप में लिया जाना चाहिए कि हम उस गुरु को पहले वंदन करें जो गोविन्द को बताकर परे हट गए कि देख यह सीधा सरल रास्ता गोविन्द की ओर ही जा रहा है, तू इसे पकड़ ले. तो हम उस गुरु को प्रथम प्रणिपात करें, जिन्होंने गोविन्द को पा लेने का मार्ग बताया ओर अलग हट गए, कि देख गोविन्द तुझे ऐसे मिलेंगे। सदुगुरु कहता है कि अब मेरी आवश्यकता रह ही नहीं जाती है। मेरे द्वारा जो पथ बताया गया है, उस पथ पर ही चलते चलते चले जाना है। सदुरू कहता है कि अब तू चलता चला जा उस पथ पर, जो मैंने तुझे बताया है। वास्तविकताओं में भी पथ का दिग्दर्शन कराने के बाद पथ प्रदर्शक की भूमिका आखिर क्या रह जाती है? सदुरु ने हमें जो रास्ता बता दिया उसके अनुसार हम अपनी यात्रा शुरू कर दें, यही उचित है। किंतु यदि हम चले नहीं और उस पथ प्रदर्शक या गुरु के पास रुके रह जाएं तो क्या हम अपनी मंज़िल पर पहुंच सकेंगे? उत्तर होगा नहीं। इन पंक्तियों का सार तत्व यही है कि हमें अपने गुरु ने जो रास्ता बताया है, उस पर चलना शुरू कर दें तो परमात्मा रूपी मंजिल मिलेगी। यही है गुरू पूजा और दक्षिणा भी यही है कि उनके बताए मार्ग का अनुसरण करते हुए गुरु आज्ञानुसार परमात्मतत्व कीर्तन, जप, ध्यान ओर स्मरणरत हों। पथ प्रदर्शक सतगुरु के बताए अनुसार साधन के माध्यम से ही साध्य परमात्मा को पाने की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है। सारभूत तत्व यही है कि उस गुरु का बड़ा आभार जो कि गोविन्द का पथ बताकर रास्ते से परे हट गए। गुरू मनुष्य की अंधकार से प्रकाश की आध्यात्मिक यात्रा का प्रेरक तत्व है। गुरु एक सीढ़ी है, जिसके सहारे ऊपर जाया जा सकता है, किंतु वह मंजिल नहीं है जहां जाकर सब यात्राएं विराम पा लेती है। गुरु तैरना सिखा देता है ताकि दरिया को पार किया जा सके, किंतु यदि कोई व्यक्ति जरूरत के वक्त भी गुरु के उस ज्ञान को अंगीकार नहीं करे तो वह डूबने से आखिर कैसे बचेगा? वस्तुतः गुरु एक सीढ़ी है, सीढ़ी के सहारे ऊपर तो चढ़ा जा सकता है किन्तु उसे ही थामे रखकर वास्तविक उद्देश्य की प्राप्ति नहीं की जा सकती। आचार्य रजनीश कहते हैं, 'गुरु एक सीढ़ी या निसेनी है, जिसपर चढ़कर ऊपर पहुंच जाओ और उसे गिरा दो किंतु यदि तुम उस निसेनी को थाम कर ही बैठे रह गए तो जिस उद्देश्य के लिए निसेनी पर चढ़ कर ऊपर पहुंचे हो तो उसे कभी पूरा नहीं कर पाओगे। 'यह प्रश्न भी किया जा सकता है कि निसेनी यदि गिरा दोगे तो फिर नीचे कैसे आओगे? कहा जाना चाहिए कि उस अनंत की यात्रा उच्च सोपान की यात्रा है, उस परम पुरुष तक पहुंचने की यात्रा जो कि अध्यात्म का चरम लक्ष्य है, हमारे ऋषियों-महर्षियों ने वैदादिकों में इसका गुणगान किया है और महात्मा पुरूषों ने इसकी बहुभांति विवेचना भी की है।

नीट सुसाइड मामले : और नहीं बस और नहीं!

फिर दुखद समाचार सामने आया है एक और नीट अभ्यर्थी ने असफल रहने पर सुसाइड का रास्ता अख्तियार किया है। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में 19 साल की मेडिकल छात्रा अंकिता सांगले ने रविवार को आत्महत्या कर ली। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट मिला है। इसमें अंकिता ने लिखा कि परीक्षा में उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिलने से वह मानसिक तनाव में थी और डॉक्टर बनने का उसका सपना अधूरा रह गया। परिवार के मुताबिक घटना से पहले छात्रा अपने कमरे में पढ़ाई कर रही थी। काफी देर तक कमरे से कोई आवाज नहीं आने पर उसकी मां ने दरवाजा खोला, जहां वह मृत मिली।यह कोई इकलौता मामला नहीं है पिछले ढाई माह में करीब दो दर्जन छात्र छात्राओं ने नीट परीक्षा के मनोकल्पित दबाव और इस से पैदा हुए अवसाद के चलते मौत को गले लगा लिया। जबकि मीडिया रिपोर्ट्स की एक हालिया एनालिसिस (मई 2026) के अनुसार, पिछले 5 वर्षों (2021 से 2026 के बीच) में देश में नीट से जुड़े कम से कम 93 छात्रों की आत्महत्या के मामले दर्ज हुए हैं, जिसमें सबसे बड़ा केंद्र कोटा (कम से कम 40 मामले) रहा है।अपुष्ट आंकड़ों के अनुसार यह तादाद बहुत अधिक हो सकती है। सुसाइड के पीछे के मुख्य कारणविशेषज्ञों और पुलिस प्रशासन के अनुसार छात्रों द्वारा ऐसे कदम उठाने के पीछे ये मुख्य वजहें सामने आई हैं अत्यधिक शैक्षणिक तनाव :कोचिंग सेंटरों में होने वाले वीकली टेस्ट और नीट परीक्षा को पास करने का मानसिक बोझ। परिजनों की उम्मीदें :मध्यवर्गीय या गरीब परिवारों से आने वाले छात्रों पर माता-पिता की उम्मीदों और पढ़ाई पर होने वाले भारी खर्च का दबाव होता है।

मनोज कुमार अग्रवाल

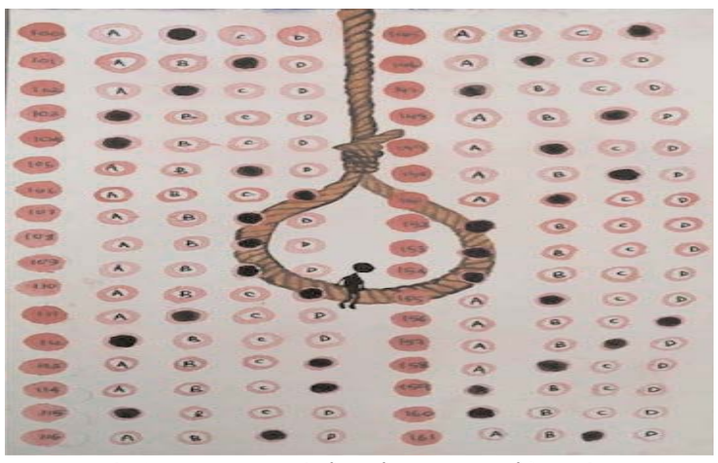

आपको बता दें छात्र नीट परीक्षा को लेकर भारी प्रतिस्पर्धा, पेपर लीक व परीक्षा रद्द होने की अनिश्चितता, और कम सीटें होने के कारण अत्यधिक मानसिक तनाव में आ जाते हैं।इस का एक बड़ा कारण अत्यधिक प्रतिस्पर्धा कम सीट और परीक्षा की तैयारी से पैदा दबाव है। लाखों छात्रों के बीच सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सीमित सीटें होना।परिवार और खुद की उम्मीदों पर खरा उतरने का भारी मानसिक दबाव।लंबे समय तक पढ़ाई के कारण नींद पूरी न होना और सेहत बिगड़ना।इन सबके पार्श्व में माता पिता परिवार की महत्वाकांक्षा और बच्चे को डाक्टर बनाने का ही एक मात्र जीवन लक्ष्य थोपना सबसे घातक और बच्चे की मनस्थिति को प्रभावित करता है ।

परीक्षा का बार-बार रद्द होना और दोबारा परीक्षा होना छात्रों की मानसिक शांति को तोड़ देता है। एनटीए के परिणामों में गड़बड़ी के आरोप और अंकों में भारी अंतर आने की खबरें छात्रों को तोड़ रहीं हैं।

नीट एग्जाम में हुई गड़बड़ियों को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया था। 25 जुलाई को धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद प्रदर्शन खत्म हो गया था। प्रदर्शन खत्म होने के बाद भी सुसाइड का यह प मामला सामने आया है। नीट मुद्दे पर अब तक 23 स्टूडेंट आत्महत्या कर चुके हैं।अंकिता ने सुसाइड नोट में लिखा कि री-एग्जाम में उसे 166 मार्क्स मिले, जबकि कटऑफ 177 था। मेरे इस कदम के लिए उसके माता-पिता और भाई को जिम्मेदार न ठहराया जाए।

अंकिता ने भाई को लिखा कि मम्मी-पापा को संभालना। उन्होंने काफी त्याग किया, लेकिन मैं सपना पूरा नहीं कर सकी ।

गुजरात के सूरत में 18 जून को 17 साल के कहान पटेल ने अपनी जान ले ली थी। इनके परिवार का कहना है कि वे नीट परीक्षा से जुड़े तनाव और पेपर लीक से परेशान थे।कहान पटेल के पिता प्रशांत पटेल ने बताया कि 12 मई को कोचिंग क्लास के दौरान बेटे को नीट पेपर लीक की खबर मिली। इसके बाद वह तुरंत सूरत से अहमदाबाद पहुंचा। प्रशांत पटेल के मुताबिक, पेपर लीक की खबर के बाद उनका बेटा मानसिक तनाव में रहने लगा था। उसके व्यवहार में भी बदलाव आने लगा था, जिसके बाद यह दुखद घटना हुई।

पिछले करीब ढाई माह में दो दर्जन नीट अभ्यर्थियों ने आत्महत्या कर ली है। इन में से-

हरियाणा-1दिल्ली - 2 राजस्थान- 2 उत्तराखंड-1 उत्तर प्रदेश- 4 गुजरात- 1- महाराष्ट्र- 3-मध्य प्रदेश - 3 गोवा - 1 तेलंगाना -1 तमिलनाडु-4 ने जान दी है।

आपको बता दें कि 14 मई-गोवा 17 साल के नीट स्टूडेंट ने आत्महत्या की। यह परीक्षा रद्द होने के बाद सुसाइड का पहला केस था।14 मई को ही उत्तर प्रदेश नयीमपुर खीरी में 21 साल के नीट छात्र ऋतिक मिश्रा ने अपने घर पर आत्महत्या कर ली।14 मई-दिल्ली 20 साल की छाजा ने नीट परीक्षा अचानक रद्द होने से तनाव में आकर आत्महत्या कर ली।

16 मई- राजस्थान 22 साल के प्रदीप मेघवाल ने आत्महत्या की। परिवार ने परीक्षा रद्द होने तनाव की बात कही।20 मई- मध्य प्रदेश आकांक्षा चतुर्वेदी ने आत्महत्या की। सुसाइड नोट में दोबारा परीक्षा देने का डर जताया था।

25 मई- महाराष्ट्र लातूर में 18 साल के नीट छात्र के आत्महत्या का मामला सामने आया।

3 जून- मध्य प्रदेश मऊगंज जिले की निवासी आकांक्षा चतुर्वेदी ने सुसाइड नोट में लिखा- दोबारा परीक्षा देने की हिम्मत नहीं बची।13 जून- दिल्ली 7 साल की नीट छात्रा अपने घर में मृत मिली। पुलिस ने आत्महत्या का मामला बताया।15 जून- राजस्थान सीकर में 22 साल के उमेश ने आत्महत्या कर ली। उसने तीसरी बार नीट परीक्षा दी थी।

16 जून- उत्तर प्रदेश लखनऊ में 17 साल की छात्रा ने फांसी लगाकर जान दे दी। एग्जाम कैंसिल होने से वह तनाव में थी।

16 जून- उत्तराखंड देहरादून में 23 साल की रिया कुमारी घर पर मृत पाई गई। पुलिस को घर से सुसाइड नोट मिला।

17 जून- तमिलनाडु कोयंबटूर में 19 साल की छात्रा अनुकीर्तना ने जहर खाकर जान दे दी। उसने री-एग्जाम को लेकर डर जताया था।

17 जून- गुजरात अहमदाबाद में 17 साल के छात्र ने आत्महत्या कर ली। वह अपने घर की बिल्डिंग के छठे माले से कूद गया था।

गुरु पूर्णिमा: ज्ञान, संस्कार और राष्ट्रनिर्माण की भारतीय परंपरा का पर्व

रीवा। भारतीय संस्कृति में ज्ञान को सर्वोच्च स्थान दिया गया है और ज्ञान प्राप्ति का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम गुरु को माना गया है। गुरु केवल शिक्षा देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि शिष्य के व्यक्तित्व का निर्माता, जीवन का पथप्रदर्शक और आत्मबोध का सेतु होता है। इसी गुरु-तत्त्व के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता और समर्पण व्यक्त करने का पावन अवसर गुरु पूर्णिमा है। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय रीवा के प्राचार्य प्रो. रवीन्द्रनाथ तिवारी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए गुरु पूर्णिमा के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक महत्व को रेखांकित किया।

ज्ञान को भारतीय परंपरा में सर्वोच्च स्थान: प्रो. तिवारी के अनुसार भारतीय चिंतन में ज्ञान को जीवन को प्रकाशित करने वाली शक्ति माना गया है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने भी ज्ञान की महत्ता बताते हुए उसे अत्यंत पवित्र माना है। गुरु इसी ज्ञान को शिष्य तक पहुंचाने के साथ उसे विवेक, संस्कार और आत्मविश्वास प्रदान करता है। गुरु का कार्य केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं, बल्कि विद्यार्थी को जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार करना भी है। गुरु-शिष्य संबंध भारतीय संस्कृति की ऐसी परंपरा है, जिसमें शिक्षा के साथ विनम्रता, अनुशासन, सेवा, जिज्ञासा और आत्मविकास को भी महत्व दिया गया गुरु शिष्य को केवल वर्तमान का ज्ञान नहीं देता, बल्कि अतीत की परंपराओं से परिचित कराते हुए भविष्य का मार्ग भी दिखाता है।

व्यास पूर्णिमा के रूप में गुरु पूर्णिमा: आषाढ़ मास की पूर्णिमा को मनाई जाने वाली गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। यह दिन महर्षि वेदव्यास की जयंती के रूप में प्रसिद्ध है। भारतीय ज्ञान परंपरा में महर्षि वेदव्यास का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। उन्होंने वेदों के विभाजन और सरलीकरण के साथ ज्ञान की परंपरा को व्यापक जनमानस तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया महाभारत, ब्रह्मसूत्र और पुराणों की परंपरा से जुड़े महर्षि वेदव्यास ने धर्म, नीति, न्याय और कर्म जैसे विषयों को समाज के सामने सरल एवं प्रभावी रूप में प्रस्तुत किया। इसी कारण जिस स्थान से ज्ञान, धर्म और संस्कृति का प्रवाह होता है, उसे आज भी व्यासपीठ कहा जाता है। समय के साथ व्यास पूजा ने गुरु पूजा का स्वरूप ग्रहण किया और गुरु पूर्णिमा भारतीय समाज में श्रद्धा एवं कृतज्ञता के पर्व के रूप में प्रतिष्ठित हुई।

गुरु करता है व्यक्तित्व का निर्माण: प्रो. तिवारी का कहना है कि गुरु केवल जानकारी देने वाला नहीं होता। वह विद्यार्थी के भीतर विवेक, संस्कार, आत्मविश्वास और जिम्मेदारी की भावना विकसित करता है। एक श्रेष्ठ गुरु शिष्य की प्रतिभा को पहचानकर उसे सही दिशा देने का प्रयास करता है भारतीय परंपरा में गुरु को ब्रह्मा, विष्णु और महेश के समान सृष्टा, पालक और कल्याणकारी माना गया है। महर्षि वशिष्ठ, विश्वामित्र, संदीपनि, द्रोणाचार्य और चाणक्य जैसे गुरुओं की परंपरा भारतीय इतिहास में ज्ञान और व्यक्तित्व निर्माण के महत्व को दर्शाती है। आधुनिक युग में रामकृष्ण परमहंस जैसे गुरुओं ने भी अपने शिष्यों के जीवन को नई दिशा दी। स्वामी विवेकानंद के व्यक्तित्व और विचारों के निर्माण में उनके गुरु रामकृष्ण परमहंस की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

गुरुकुल व्यवस्था थी समग्र शिक्षा का केंद्र: प्राचीन भारत की शिक्षा व्यवस्था का आधार गुरु और गुरुकुल थे। गुरुकुलों में विद्यार्थी अनुशासन, सेवा और संयम के साथ विभिन्न विषयों का अध्ययन करते थे शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा का समन्वित विकास करना था।

विद्यार्थियों को वेद, वेदांग, व्याकरण, न्याय, दर्शन, आयुर्वेद, गणित, खगोल और अन्य विविध विद्याओं का ज्ञान दिया जाता था। शिक्षक स्वयं त्याग, तपस्या और आदर्श जीवन के उदाहरण प्रस्तुत करते थे। यही कारण है कि भारतीय ज्ञान परंपरा ने कपिल, कणाद, गौतम, पतंजलि, पाणिनी, चरक, सुश्रुत और आर्यभट्ट जैसे महान मनीषियों को जन्म दिया भारतीय शिक्षा का उद्देश्य धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष जैसे चार पुरुषार्थों के संतुलित विकास के माध्यम से ऐसे व्यक्तित्व का निर्माण करना था, जो व्यक्तिगत उन्नति के साथ समाज और राष्ट्र के प्रति भी अपने दायित्व को समझे। प्रो. तिवारी के अनुसार स्वतंत्र भारत में भी शिक्षा व्यवस्था को अपनी सांस्कृतिक और ज्ञान परंपरा से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में भारतीय ज्ञान परंपरा, नैतिक मूल्यों, मातृभाषा आधारित शिक्षा और समग्र व्यक्तित्व विकास को महत्व दिया गया है।

सद्गुरु का आलोक : अज्ञान से आत्मबोध तक जीवन को प्रकाशित करने वाली दिव्य चेतना

भारतीय संस्कृति में गुरु को केवल शिक्षक नहीं माना गया, बल्कि जीवन का पथप्रदर्शक, आत्मा का जागरणकर्ता और सत्य का साक्षात् प्रकाश कहा गया है। संसार की जटिलताओं, मोह-माया और अज्ञान के अंधकार में भटकते हुए मनुष्य के लिए सद्गुरु वह दिव्य शक्ति हैं, जो ज्ञान की ज्योति जलाकर उसे सत्य, विवेक और आत्मकल्याण का मार्ग दिखाते हैं। भौतिक विज्ञान संसार के अनेक रहस्यों को समझा सकता है, परंतु जीवन, चेतना, आत्मा और मोक्ष के रहस्य केवल सद्गुरु के अनुभव, कृपा और सत्संग से ही उद्घाटित होते हैं। यही कारण है कि भारतीय परंपरा में चक्रवर्ती सम्राट भी सद्गुरु के चरणों में नतमस्तक होकर स्वयं को धन्य मानते रहे हैं।

कांतिलाल मांडोत

सद्गुरु वही हैं जिन्होंने स्वयं अपने जीवन को ऐहिक इच्छाओं से मुक्त कर लिया हो और जो निरंतर अपने तथा समस्त प्राणियों के कल्याण में रत रहते हों। जो स्वयं मोह, माया और पाप के समुद्र से पार हो चुके हैं, वही दूसरों को पार उतरने का मार्ग दिखा सकते हैं। जो स्वयं सांसारिक आसक्तियों में उलझा है, वह किसी को मुक्ति का पथ नहीं दिखा सकता। इसीलिए कहा गया है कि सद्गुरु का सान्निध्य मनुष्य को पाशविक प्रवृत्तियों से मुक्त कर उसके भीतर मानवीय और आध्यात्मिक गुणों का विकास करता है। आज समाज में नैतिक पतन, हिंसा, स्वार्थ और मूल्यहीनता का जो वातावरण दिखाई देता है, उसका प्रमुख कारण सद्गुरुओं की संगति और सत्संग का अभाव भी माना गया है। मनुष्य के जीवन की तुलना एक ऐसे यात्री से की गई है जो घने अंधकार में जंगल के बीच अपना मार्ग खोज रहा है। वह कभी चट्टानों से टकराता है, कभी गड्ढों में गिरता है, कभी भयभीत होता है और कभी भ्रमित होकर भटकता रहता है। ऐसे समय में यदि कोई सर्चलाइट लेकर उसके सामने आ

जाए और कहे कि इस प्रकाश में चलो, मैं तुम्हें सही मार्ग तक पहुँचा दूँ, तो उसका भय समाप्त हो जाता है। यही कार्य सद्गुरु करते हैं। वे ज्ञान और धर्म की उज्ज्वल सर्चलाइट लेकर साधक के जीवन में प्रवेश करते हैं और उसे अज्ञान के अंधकार से निकालकर सत्य और आत्मबोध के प्रकाश में ले जाते हैं। गुरु शब्द की व्याख्या भी इसी सत्य को स्पष्ट करती है। गु का अर्थ अंधकार और रु का अर्थ उसका नाश करने वाला बताया गया है। जो अज्ञान को समाप्त कर ज्ञान का प्रकाश फैलाए, वही गुरु है। वह निराश व्यक्ति में आशा जगाता है, भ्रमित को दिशा देता है और मोह-माया के कुहरे से निकालकर सम्यक् दृष्टि का मार्ग दिखाता है। गुरु केवल उपदेश नहीं देते, बल्कि अपने अनुभवों से जीवन की उन गांठों को खोलते हैं जिन्हें केवल पुस्तकीय ज्ञान से सुलझाना संभव नहीं होता। गुरु की महत्ता को समझाने के लिए अनेक सुंदर उपमाएँ दी गई हैं। जैसे बिजली घर में ऊर्जा भरपूर होती है, पर यदि बल्ब ही खराब हो तो प्रकाश नहीं होगा। उसी प्रकार यदि मनुष्य के भीतर विनय और विवेक का अभाव है, तो ज्ञान का प्रकाश भी उसके जीवन को प्रकाशित नहीं कर सकता। भगवान महावीर के समक्ष राजा, राजकुमार, सेठ और सामान्य जन सभी आए। जिनके भीतर विनय और ग्रहणशीलता थी, उनके जीवन में ज्ञान का प्रकाश फैल गया, जबकि जिनका अंतःकरण तैयार नहीं था, वे अंधकार में ही भटकते रहे।

सद्गुरु को जीवन का महान कलाकार भी कहा गया है। जिस प्रकार शिल्पकार अनगढ़ पत्थर को तराशकर भव्य प्रतिमा बना देता है, कुम्हार मिट्टी को सुंदर घड़े का रूप देता है और माली छोटे से बीज को फूलों और फलों से लदे वृक्ष में बदल देता है, उसी प्रकार सद्गुरु असंस्कारी मनुष्य को संस्कारित व्यक्तित्व प्रदान करते हैं। वे केवल ज्ञान नहीं देते, बल्कि मनुष्य के भीतर छिपी दिव्यता को जागृत करते हैं। अनंत काल से सोई हुई आत्मा को जगाने का कार्य सद्गुरु ही करते हैं। गुरु की भूमिका एक अनुभवी चिकित्सक के समान भी है। शरीर के रोगों का उपचार चिकित्सक करता है, पर मन, आत्मा और संस्कारों के रोगों का निदान सद्गुरु ही कर सकते हैं। शास्त्रों में वर्णित शेषनाग और अश्विनीकुमार की कथा इसी तथ्य को स्पष्ट करती है कि अनुभवहीन ज्ञान कई बार पर्याप्त नहीं होता। जब अनुभवी गुरु का मार्गदर्शन मिलता है, तभी सही समाधान प्राप्त होता है। जीवन में भी अनेक ऐसी समस्याएँ आती हैं जिनका उत्तर केवल पुस्तकों में नहीं मिलता, बल्कि गुरु के अनुभव और कृपा से मिलता है। भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान भगवान से भी पहले माना गया है। संत कबीर का प्रसिद्ध दोहा इसी सत्य को प्रकट करता है कि यदि गुरु और गोविंद दोनों सामने खड़े हों तो पहले गुरु के चरण स्पर्श करने चाहिए, क्योंकि भगवान तक पहुँचने का मार्ग भी गुरु ही दिखाते हैं। इसी भावना को संस्कृत वचन में व्यक्त किया गया है कि ज्ञान का मूल गुरु हैं, पूजा का आधार गुरु के चरण हैं और मोक्ष का मूल गुरु की कृपा है। जैन, वैदिक और सिख-तीनों परंपराओं में गुरु की महिमा सर्वोच्च मानी गई है। गुरु ग्रंथ साहिब में भी गुरु को भगवान का स्वरूप बताया गया है।

गुरु केवल ज्ञानदाता नहीं, बल्कि दाता भी हैं। वे अपने भीतर संचित आध्यात्मिक अनुभव, ओज, तेज और विवेक को शिष्य के जीवन में प्रवाहित करते हैं। जैसे एक दीपक हजारों दीपकों को प्रकाशित कर देता है और स्वयं का प्रकाश कम नहीं होता, वैसे ही गुरु अपने ज्ञान को बाँटते हुए भी निरंतर प्रकाशित रहते हैं। वे शिष्य के व्यक्तित्व को नया आकार देते हैं और उसे जीवन की कठिन परिस्थितियों का सामना करने योग्य बनाते हैं। गुरु को दर्पण और गुरु को चक्षु भी कहा गया है। दर्पण मनुष्य को उसका बाहरी स्वरूप दिखाता है, जबकि गुरु उसके भीतर के वास्तविक स्वरूप का दर्शन कराते हैं। वे शिष्य को आत्मकल्याण का मार्ग बताते हैं, जीवन जीने की श्रेष्ठ शैली सिखाते हैं और उसे ऐसा विवेक प्रदान करते हैं जिससे वह विपरीत परिस्थितियों में भी संतुलित रह सके। साधना के मार्ग में जब कोई बाधा आती है, तब गुरु का एक अनुभवपूर्ण संकेत जीवन की दिशा बदल देता है। जैसे अनुभवी इंजीनियर केवल एक उचित स्थान पर हथौड़ी की चोट करके बंद मशीन को चालू कर देता है, वैसे ही सद्गुरु शिष्य के जीवन की उलझनों को सहजता से सुलझा देते हैं। गुरु पूर्णिमा का पर्व इसी गुरु-परंपरा के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता का पर्व है। यह केवल औपचारिक पूजा का अवसर नहीं, बल्कि गुरु की आज्ञा, अनुशासन और बताए हुए मार्ग पर चलने का संकल्प है। गुरु पूजा का वास्तविक अर्थ है विनम्रता, श्रद्धा और जीवन में उनके उपदेशों का पालन। जैन साहित्य में भी गुरु के प्रति विनय, भक्ति और सम्मान को ज्ञान, यश, समृद्धि तथा अंततः मोक्ष का आधार बताया गया है।

वास्तव में सद्गुरु मानव जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि हैं। वे अज्ञान को ज्ञान में, निराशा को आशा में, असंस्कार को संस्कार में और भटकाव को लक्ष्य में परिवर्तित कर देते हैं। उनका सान्निध्य मनुष्य को केवल सफल नहीं, बल्कि सार्थक बनाता है। इसलिए भारतीय मनीषा ने गुरु की महिमा का सार इन शब्दों में व्यक्त किया है-गुरु-माँझी से ही मिले भवसागर का कूल, गुरु-वाणी है मंत्र-सम, कृपा मोक्ष का मूल। यही संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना सदियों पहले था।

मनेंद्रगढ़ में आकाशीय बिजली का कहर : तीन अलग-अलग घटनाओं में 3 की मौत, 6 लोग गंभीर घायल

शिवपुर, मंगोरा, जिल्दा और कटकोना में गिरी बिजली, घायलों का अस्पताल में इलाज जारी; प्रशासन ने जारी की सतर्कता की अपील

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में मंगलवार शाम हुई तेज बारिश और गरज-चमक के दौरान आकाशीय बिजली गिरने की तीन अलग-अलग घटनाओं में तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई जबकि छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज खड़गवां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जारी है। घटना के बाद प्रभावित गांवों में शोक का माहौल है। सबसे बड़ी घटना खड़गवां थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत शिवपुर में हुई जहां खेत में काम कर रहे लोगों पर अचानक आकाशीय बिजली गिर गई। इस हादसे में कुंती (35 वर्ष) और मनीष (15 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं हरिचंद 65 वर्ष जवानिया भाई 65 वर्ष और कुंती बाई 50 वर्ष गंभीर रूप से झुलस गए। सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए खड़गवां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। दूसरी घटना मंगोरा गांव में हुई जहां आकाशीय बिजली गिरने से सुरेंद्र सिंह 65 वर्ष की मौत हो गई। घटना के समय वह खुले क्षेत्र में मौजूद थे। बिजली गिरने के बाद स्थानीय लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। इसके अलावा ग्राम जिल्दा में एक व्यक्ति तथा ग्राम पंचायत कटकोना में दो अन्य लोग भी आकाशीय बिजली की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। इन सभी को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार जारी है। घटनाओं की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतकों के शवों का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रशासन ने घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। लगातार हो रही बारिश और मौसम की खराब स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने लोगों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। प्रशासन ने कहा है कि गरज-चमक और बारिश के दौरान खुले मैदानों, खेतों, पेड़ों के नीचे तथा बिजली के खंभों या तारों के पास खड़े होने से बचें। मौसम खराब होने पर सुरक्षित भवन या पक्के आश्रय स्थल में शरण लें और अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें। प्रशासन ने नागरिकों से मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनियों का पालन करने तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन दल को सूचना देने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि थोड़ी सी सावधानी बरतकर आकाशीय बिजली जैसी प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

छत से टपकता था पानी, करंट का बढ़ा खतरा; 41 बच्चों की पढ़ाई दो कमरों में, गर्मी और संसाधनों की कमी से बढ़ी परेशानी

जर्जर भवन पर लगा ताला, अस्पताल में लग रही प्राथमिक स्कूल की कक्षाएं

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला मुख्यालय के वार्ड क्रमांक 8 स्थित शासकीय प्राथमिक विद्यालय का भवन जर्जर होने के कारण बंद कर दिया गया है। भवन की छत से लगातार पानी टपकने, बिजली का करंट फैलने की आशंका और बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए स्कूल में ताला लगा दिया गया है। फिलहाल विद्यालय की 41 बच्चों की कक्षाएं अस्थायी रूप से अस्पताल भवन में संचालित की जा रही हैं। जानकारी के अनुसार, विद्यालय भवन की हालत लंबे समय से खराब थी। बारिश के दौरान छत से पानी टपकने के कारण कक्षाओं में पानी भर जाता था। इससे बिजली के करंट का खतरा बढ़ गया था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पहले स्कूल की बिजली आपूर्ति बंद की गई और बाद में बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए भवन को पूरी तरह बंद कर दिया गया। वर्तमान में विद्यालय की पढ़ाई अस्पताल भवन के दो छोटे कमरों में संचालित हो रही है। सीमित स्थान होने के कारण सभी बच्चों को एक साथ बैठाने में कठिनाई हो रही है। वहीं बिजली और पंखों की व्यवस्था नहीं होने से उमस और गर्मी के बीच बच्चों और शिक्षकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षकों का कहना है कि सीमित संसाधनों में पढ़ाई कराना चुनौतीपूर्ण हो गया है, जबकि बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। अभिभावकों ने भी चिंता जताते हुए कहा कि अस्थायी व्यवस्था से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल पा रही है। उनका कहना है कि छोटे कमरों में पढ़ाई के कारण बच्चों का ध्यान भटकता है और गर्मी के कारण लंबे समय तक कक्षा में बैठना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द विद्यालय भवन की मरम्मत कराने की मांग की है। इस मामले में जिला शिक्षा अधिकारी रविकांत यादव ने बताया कि विद्यालय भवन की मरम्मत के लिए पिछले वर्ष ही शासन को प्रस्ताव भेजा गया था, लेकिन स्वीकृत राशि पर्याप्त नहीं होने के कारण मरम्मत कार्य शुरू नहीं हो सका। अब भवन की स्थिति को देखते हुए नया प्रस्ताव तैयार कर अतिरिक्त राशि की मांग की गई है। राशि स्वीकृत होते ही मरम्मत कार्य शुरू कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि फिलहाल बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए वैकल्पिक व्यवस्था के तहत अस्पताल भवन में कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। विभाग का प्रयास है कि जल्द से जल्द भवन की मरम्मत कर बच्चों को सुरक्षित और सुविधायुक्त वातावरण में पढ़ाई का अवसर उपलब्ध कराया जाए। स्थानीय नागरिकों का भी कहना है कि जिले के जर्जर स्कूल भवनों की समय रहते मरम्मत कराना आवश्यक है, ताकि विद्यार्थियों की शिक्षा प्रभावित न हो और उन्हें सुरक्षित वातावरण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके।

ग्राम सेमरिया में हैंडपंपों का क्लोरीनेशन : स्वच्छ पेयजल सुनिश्चित करने जलजनित बीमारियों की रोकथाम की पहल

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के विकासखंड मनेन्द्रगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत डुगला के ग्राम सेमरिया में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग ने महत्वपूर्ण पहल करते हुए सार्वजनिक हैंडपंपों का क्लोरीनेशन कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना जल स्रोतों की गुणवत्ता बनाए रखना तथा जलजनित बीमारियों की प्रभावी रोकथाम सुनिश्चित करना है लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता आकाश पोद्दार के निर्देशन में विभाग की तकनीकी टीम और हैंडपंप टेक्निशियनों ने ग्राम के सभी सार्वजनिक हैंडपंपों में निर्धारित मानकों के अनुसार 30 एमएल क्लोरीन का उपयोग कर क्लोरीनेशन किया। इस वैज्ञानिक प्रक्रिया से पेयजल में मौजूद हानिकारक जीवाणुओं, बैक्टीरिया एवं अन्य संक्रमण फैलाने वाले सूक्ष्मजीवों को नियंत्रित किया गया जिससे ग्रामीणों को स्वच्छ, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध हो सके अभियान के दौरान विभागीय अधिकारियों ने ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल के उपयोग, जल स्रोतों की नियमित साफ-सफाई, जलजनित रोगों से बचाव तथा जल संरक्षण के महत्व के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने और उनके संरक्षण में सामूहिक भागीदारी निभाना आवश्यक है ताकि दूषित जल से फैलने वाली बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके। ग्रामीणों ने विभाग की इस जनहितकारी पहल का स्वागत करते हुए हैंडपंपों और अन्य जल स्रोतों की नियमित देखभाल तथा स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया उनका कहना है कि इस तरह के नियमित क्लोरीनेशन अभियान से गांव में सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी और लोगों के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में जल गुणवत्ता संरक्षण, हैंडपंपों के क्लोरीनेशन तथा सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं।

फुनगा के किसान दयाराम सिंह ने अपनाया नैनो डीएपी: आधुनिक खेती की ओर बढ़ाया कदम, बेहतर उत्पादन और कम लागत की उमीद

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती से जोड़ने के लिए कृषि विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयास अब जमीनी स्तर पर सकारात्मक परिणाम देने लगे हैं संतुलित उर्वरक प्रबंधन और आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किसानों को नैनो उर्वरकों के उपयोग के लिए लगातार प्रेरित किया जा रहा है इसी क्रम में विकासखंड खड़ावां के ग्राम फुनगा निवासी किसान दयाराम सिंह ने खरीफ सीजन में पहली बार अपनी फसल में नैनो डीएपी का उपयोग शुरू किया है उनका मानना है कि नई तकनीकों को अपनाकर खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है तथा कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है दयाराम सिंह ने प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति से नैनो डीएपी प्राप्त कर अपनी खेती में इसके उपयोग की शुरुआत की। उन्होंने बताया कि खेती की बढ़ती लागत को देखते हुए आधुनिक और वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाना समय की आवश्यकता बन गई है इसी सोच के साथ उन्होंने इस वर्ष नैनो डीएपी का प्रयोग करने का निर्णय लिया उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष गांव के कई किसानों ने अपनी फसलों में नैनो डीएपी का उपयोग किया था उन किसानों की फसल की बढ़वार सामान्य फसलों की तुलना में बेहतर रही और उत्पादन में भी सकारात्मक परिणाम देखने को मिले खेतों में मिले इन परिणामों को देखकर उनका विश्वास बढ़ा और उन्होंने भी इस वर्ष इस उर्वरक का उपयोग करने का फैसला किया दयाराम सिंह ने कहा, 'मैं पहली बार नैनो डीएपी का उपयोग कर रहा हूं। पिछले साल आसपास के किसानों ने इसका प्रयोग किया था और उन्हें अच्छे परिणाम मिले उनकी फसल देखकर मुझे भी प्रेरणा मिली। मुझे पूरा विश्वास है कि इसके उपयोग से मेरी फसल की बढ़वार अच्छी होगी और उत्पादन में भी बढ़ोतरी होगी। उन्होंने नैनो डीएपी की सबसे बड़ी विशेषता इसकी आसान उपलब्धता और परिवहन को बताया उनके अनुसार पारंपरिक उर्वरकों की भारी-भरकम बोरियों को खेत तक पहुंचाना कठिन होता है जबकि नैनो डीएपी की छोटी बोतल को आसानी से बैग में रखकर खेत तक ले जाया जा सकता है इससे किसानों के समय, श्रम और परिवहन लागत में भी कमी आती है दयाराम सिंह ने अन्य किसानों से भी अपील की कि वे कृषि विभाग के वैज्ञानिक मार्गदर्शन के अनुसार नई कृषि तकनीकों और उन्नत उर्वरकों को अपनाएं। उनका कहना है कि संतुलित उर्वरक प्रबंधन से खेती की लागत कम होने के साथ-साथ फसल की गुणवत्ता और उत्पादन दोनों में सुधार संभव है कृषि विभाग द्वारा जिले में नैनो डीएपी, नैनो यूरिया सहित अन्य आधुनिक कृषि तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं विभाग का उद्देश्य अधिक से अधिक किसानों को वैज्ञानिक खेती से जोड़ना, भूमि की उर्वरता का संरक्षण करना, संतुलित उर्वरक उपयोग को बढ़ावा देना तथा किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करना है कृषि विशेषज्ञों का भी मानना है कि वैज्ञानिक अनुशंसाओं के अनुरूप नैनो उर्वरकों का उपयोग पारंपरिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने, फसल की बेहतर वृद्धि, लागत में कमी तथा टिकाऊ कृषि प्रणाली को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। जिले में बढ़ती किसानों की भागीदारी इस बात का संकेत है कि आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रति किसानों का विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है।

दुकान के शटर में करंट लगने से युवक की मौत, परिजनों ने साजिश की आशंका जताई

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के अमोला थाना क्षेत्र अंतर्गत मामोनी खुर्द गांव में 20 वर्षीय युवक की करंट लगने से संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के परिजनों ने गांव के कुछ युवकों पर दुकान के शटर में जानबूझकर करंट छोड़कर साजिश रचने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार मामोनी खुर्द निवासी भरत विश्वकर्मा 20 पिता महेश विश्वकर्मा, सोमवार शाम गांव के बाहर अपने कुछ परिचितों के साथ मौजूद था। इसी दौरान वह एक दुकान के शटर के संपर्क में आ गया। बताया जा रहा है कि शटर में करंट प्रवाहित होने के कारण उसे जोरदार बिजली का झटका लगा जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के तुरंत बाद परिजन और ग्रामीण उसे उपचार के लिए शिवपुरी मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर से परिवार में मातम छा गया और गांव में शोक का माहौल है। मृतक के परिजनों ने इस घटना को महज हादसा मानने से इनकार करते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि दुकान के शटर में जानबूझकर करंट छोड़ा गया था। परिजनों ने गांव के चार से पांच लोगों पर साजिश रचने की आशंका व्यक्त करते हुए निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि मामले की गहन जांच की जाए तो सच्चाई सामने आ सकती है। घटना की सूचना मिलने पर मेडिकल कॉलेज चौकी पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर पूरे मामले की जांच प्रारंभ कर दी है। अमोला थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह सेंगर ने बताया कि मेडिकल कॉलेज चौकी से मर्ग डायरी प्राप्त होने और पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद मामले की सभी पहलुओं से जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि घटना से जुड़े सभी तथ्यों और साक्ष्यों का परीक्षण किया जाएगा। जांच में यदि किसी प्रकार की लापरवाही साजिश या आपराधिक कृत्य सामने आता है तो संबंधित लोगों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कुख्यात बदमाश लकी पटेल पर एनएसए की कार्रवाई, गिरफ्तार कर केंद्रीय जेल भेजा गया

मीडिया ऑडीटर, जबलपुर (निप्र)। शहर के कुख्यात बदमाश लकी पटेल के खिलाफ जिला प्रशासन और पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उसे राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत गिरफ्तार कर केंद्रीय जेल भेज दिया है। आरोपी पर हत्या के प्रयास, अवैध वसूली, फायर आर्म्स एक्ट, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम समेत 20 से अधिक गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि उसकी लगातार आपराधिक गतिविधियों से क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ था। पुलिस के अनुसार, हाल ही में लकी पटेल ने सिविल लाइन थाना क्षेत्र में आयोजित एक शादी समारोह के दौरान पुरानी रंजिश के चलते कई राउंड फायरिंग की थी। घटना के बाद वह फरार हो गया था। इस वारदात के बाद पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी और उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की तैयारी की जा रही थी। जांच में सामने आया कि लकी पटेल अपराध करने के बाद सोशल मीडिया का इस्तेमाल अपने खौफ को बढ़ाने के लिए करता था। वह पिस्टल और चाकू जैसे हथियारों के साथ फोटो और वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर पोस्ट करता था। इतना ही नहीं जेल जाने के दौरान भी अपने साथियों से वीडियो बनवाकर सोशल मीडिया पर अपलोड करवाता था, ताकि इलाके में उसका दबदबा बना रहे और लोगों में भय का माहौल कायम रहे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जितेंद्र सिंह ने बताया कि वर्ष 2019 से आरोपी लगातार आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय था। उसके खिलाफ हत्या के प्रयास, रंगदारी, अवैध वसूली, फायर आर्म्स एक्ट और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम सहित 20 से अधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस द्वारा कई बार प्रतिबंधात्मक कार्रवाई किए जाने के बावजूद उसके व्यवहार में कोई सुधार नहीं आया। उसकी गतिविधियों के कारण लोग शिकायत दर्ज कराने से भी डरने लगे थे।

12 अगस्त तक भेजी जा सकेंगी प्रविष्टियां, चयनित लोगो बनेगा मेडिकल कॉलेज की आधिकारिक पहचान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय मनेन्द्रगढ़ ने अपनी संस्थागत पहचान को नई दिशा देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्तर पर लोगो डिज़ाइन प्रतियोगिता आयोजित करने की घोषणा की है इस प्रतियोगिता के माध्यम से महाविद्यालय ऐसा विशिष्ट, आकर्षक और अर्थपूर्ण लोगो तैयार कराना चाहता है, जो चिकित्सा शिक्षा, उपचार, सेवा, करुणा, अनुसंधान तथा मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले की सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक पहचान को प्रभावी रूप से प्रदर्शित करे प्रतियोगिता में देशभर के विद्यार्थी, चिकित्सक, नर्स, शिक्षक,

पेशेवर डिज़ाइनर और अन्य इच्छुक नागरिक भाग ले सकेंगे महाविद्यालय प्रशासन का कहना है कि प्रत्येक प्रतिष्ठित संस्थान की पहचान उसके प्रतीक चिन्ह से होती है इसी सोच के साथ संस्थान ने रचनात्मक प्रतिभाओं को आमंत्रित करते हुए संदेश दिया है कि 'हर महान संस्थान की पहचान उसके प्रतीक से होती है अब बारी है पहचान गढ़ने ' प्रतियोगिता में चयनित लोगो भविष्य में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय मनेन्द्रगढ़ की आधिकारिक पहचान बनेगा और इसका उपयोग संस्थान के लेटरहेड, प्रमाण-पत्र, पहचान पत्र, वेबसाइट, सूचना बोर्ड, प्रचार सामग्री तथा अन्य सभी आधिकारिक दस्तावेजों में किया जाएगा महाविद्यालय द्वारा प्रतियोगिता के लिए प्रविष्टियां 27 जुलाई 2026 से आमंत्रित की गई हैं इच्छुक प्रतिभागी 12 अगस्त 2026 शाम 5 बजे तक अपनी प्रविष्टियां भेज सकते हैं प्रतियोगिता के विजेता को 10,000 की पुरस्कार राशि के साथ प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। प्रतियोगिता का परिणाम महाविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर घोषित किया जाएगा महाविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्रतियोगिता में प्रस्तुत किया जाने वाला लोगो पूरी तरह मौलिक होना चाहिए। किसी अन्य स्थान पर प्रकाशित, कॉपीराइट युक्त अथवा किसी अन्य कलाकार की कलाकृति, फोटो या प्रतीक का उपयोग स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसके अलावा किसी धार्मिक प्रतीक, राजनीतिक दल के चिन्ह या राज्य चिन्ह का उपयोग भी प्रतिबंधित रहेगा मेडिकल प्रतीक के रूप में कैड्यूसियस का उपयोग किया जा सकता है, जबकि स्टार ऑफ लाइफ प्रतीक का उपयोग नहीं करने की सलाह दी गई है। प्रतियोगिता में प्रत्येक प्रतिभागी केवल एक ही प्रविष्टि भेज सकेगा। किसी संस्था, संगठन, समूह या फर्म के नाम से प्रविष्टियां स्वीकार नहीं की जाएंगी साथ ही चयन समिति के सदस्य तथा उनके परिवार के सदस्य प्रतियोगिता में भाग लेने के पात्र नहीं होंगे महाविद्यालय ने लोगो के स्वरूप को लेकर भी विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। लोगो ऐसा होना चाहिए जो चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, करुणा, अनुसंधान और जनसेवा का संदेश देने के साथ-साथ मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले की स्थानीय संस्कृति, जनजातीय विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य, वन संपदा और क्षेत्रीय पहचान को भी रचनात्मक रूप से प्रस्तुत करे। डिजाइन सरल, आकर्षक, यादगार और विभिन्न माध्यमों-प्रिंट, डिजिटल, साइनेज तथा प्रचार सामग्री-में समान रूप से उपयोग योग्य होना चाहिए।

980 रुपए के संदिग्ध ट्रांजेक्शन पर 2.51 करोड़ का खाता फ्रीज करना अनुचित : हाईकोर्ट

मीडिया ऑडीटर, जबलपुर (निप्र)। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की जबलपुर पीठ ने बैंक खाते फ्रीज करने के मामलों में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि जांच एजेंसियां केवल संदिग्ध लेन-देन से जुड़ी राशि पर ही रोक लगाएं। पूरे बैंक खाते को फ्रीज करना अंतिम और असाधारण परिस्थिति में ही किया जाना चाहिए। अदालत ने यह टिप्पणी भोपाल की महिला कारोबारी अर्चना शिवहरे के मामले की सुनवाई के दौरान की। मामले के अनुसार, भोपाल निवासी अर्चना शिवहरे के चालू बैंक खाते में 2.51 करोड़ से अधिक की राशि जमा थी। अप्रैल 2026 में भारतीय स्टेट बैंक की इटारसी शाखा ने बिना पूर्व सूचना उनका पूरा बैंक खाता फ्रीज कर दिया। बाद में उन्हें जानकारी मिली कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-106 के तहत दर्ज साइबर अपराध की जांच में महज 980 के संदिग्ध ट्रांजेक्शन के आधार पर यह कार्रवाई की गई थी। अर्चना शिवहरे नरसिंहपुर जिले में सात कंपोजिट शराब दुकानों की लाइसेंसधारी हैं और उनका पूरा व्यावसायिक लेन-देन इसी बैंक खाते से संचालित होता है। खाता फ्रीज होने से उनके कारोबार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा, जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता ऐश्वर्य साहू ने अदालत में दलील दी कि यदि जांच के लिए आवश्यक हो तो केवल 980 की विवादित राशि पर रोक लगाई जाए, न कि पूरे खाते को बंद किया जाए। उन्होंने कहा कि वैध धनराशि पर रोक लगाना न्यायसंगत नहीं है। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस हिमांशु जोशी की एकलपीठ ने कहा कि जांच एजेंसियों को कथित अपराध से जुड़ी राशि और खाते में मौजूद वैध धनराशि के बीच स्पष्ट अंतर करना चाहिए। अदालत ने निर्देश दिया कि जहां तक संभव हो पूरे खाते को फ्रीज करने के बजाय केवल विवादित राशि पर लियन या डेबिट फ्रीज लगाया जाए।

जावरा में चोरों का आतंक: बदमाशों ने एक मकान और कोल्ड्रिंक्स एजेंसी को बनाया निशाना ;जेवर समेत ढाई लाख उड़ाए

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम जिले के जावरा में चोरों ने सूने मकान समेत एक कोल्ड ड्रिंक दुकान को अपना निशाना बनाया। चोरी करते हुए चोरों का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। चोर पुलिस के खौफ के बिना आसानी से चोरी कर रहे हैं। चोर घर से सोने-चांदी के जेवर चुरा ले गए, वहीं कोल्ड ड्रिंक एजेंसी से कलेक्शन के करीब ढाई लाख रुपये ले गए। चोरी की घटना सोमवार तड़के की है, जिसका सीसीटीवी सामने आया। चोरों ने सबसे पहले खाचरौद नाका रोड स्थित राजेंद्र जयंत परिसर निवासी दीपक कुमार प्रजापत के सूने मकान को निशाना बनाया। दीपक कुमार अपने निजी काम से बाहर गए थे। रविवार को देर होने पर वह अपने परिचित के यहां गांव मांडवी में रुक गए। उनकी पत्नी व बच्चे शिवगढ़ गए थे और माता-पिता दूसरे मकान में

रहते हैं। चोर ताले तोड़कर अलमारी से 8 ग्राम सोने का लॉकेट, 700 ग्राम चांदी की पायल और 70 हजार रुपये नकद चुरा ले गए।

पड़ोसी की नज़र पड़ी, इशारे से धमकाया: चोरों पर सुबह जब पड़ोसी कालूराम की नज़र पड़ी, तो बदमाशों ने उन्हें इशारों से धमकाया और आसानी से निकल गए। बाद में उन्होंने दीपक कुमार प्रजापत को सूचना दी। जब वह जावरा स्थित घर पहुंचे, तो सारा सामान बिखरा मिला। इसके बाद उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी। कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरे में बदमाश रविवार रात 3.21 बजे कैद हुए हैं, जिसमें 3 संदिग्ध मुंह पर कपड़ा बांधे दिखाई दे रहे हैं।

ढाई लाख रुपये नकद व कोल्ड ड्रिंक की पेटी चुरा ले गए: रविवार-सोमवार की रात जावरा में धाकड़ धर्मशाला के पास मोहन परिसर रोड स्थित एक कोल्ड ड्रिंक व वेफर्स एजेंसी के भी बदमाशों ने ताले तोड़े। ताले तोड़ते और चोरी करते हुए तीन चोर यहाँ लगे सीसीटीवी में कैद हुए हैं। चोर यहाँ सीसीटीवी की नज़र से खुद को बचाते रहे। यहाँ तक कि एक चोर सीसीटीवी कैमरे को ढकने की कोशिश करता नज़र आया ताकि वह वीडियो में कैद न हो सके। लेकिन अलग-अलग कैमरे लगे होने के कारण चोर उसमें कैद हो गए। एजेंसी संचालक हेमंत जैन के अनुसार चोर उनके यहाँ से 3 दिन के कलेक्शन के करीब 2.50 लाख रुपये नकद और कोल्ड ड्रिंक की एक पेटी चुरा ले गए। घटना की जानकारी सोमवार सुबह एजेंसी पहुँचने पर हुई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। जावरा सीएसपी युवराज सिंह ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश की जा रही है और रात्रि गश्त भी बढ़ाई जा रही है।

रतलाम में भी नहीं पकड़े गए बदमाश: पिछले सप्ताह रतलाम के थाना औद्योगिक क्षेत्र स्थित रिद्धि-सिद्धि कॉलोनी में चड्डी-बनियान पहने और मुँह पर कपड़ा बाँधे बदमाश घूमते नज़र आए थे, लेकिन पुलिस अभी तक उन्हें पकड़ नहीं पाई है। जावरा में हुई चोरी में भी चड्डी-बनियान पहने, शरीर पर कपड़ा डाले और मुँह ढके बदमाश सीसीटीवी में कैद हुए हैं। इससे पुलिस की रात्रिकालीन गश्त पर भी सवाल उठ रहे हैं।

छतरपुर में वाहन की टक्कर से किसान की मौत ड्राइवर की गिरफ्तारी की मांग को लेकर ग्रामीणों ने घंटो पर जाम लगाया

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के गढ़ीमलहरा थाना क्षेत्र में सोमवार को एक सड़क हादसे में 55 वर्षीय किसान की मौत हो गई। पृथ्वीपुर निवासी जागेश्वर पाल को गरेला-कुर्राहा के बीच एनएच-86 पर टोल टैक्स के पास एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। जागेश्वर पाल की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और मृतक के परिजन मौके पर पहुंचे। आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने अज्ञात वाहन चालक की तत्काल गिरफ्तारी और उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग-86 पर जाम लगा दिया। इस कारण राजमार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई और यातायात कई घंटों तक बाधित रहा। सूचना मिलने पर गढ़ी मलहरा थाना प्रभारी रीता सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचीं। उन्होंने लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन परिजन और ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे। बाद में थाना प्रभारी और वरिष्ठ नागरिकों की समझाइश के बाद जाम समाप्त किया गया। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अज्ञात वाहन की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी वाहन और चालक का जल्द पता लगाकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

इटारसी में सियार का हमला, 12 लोग घायल महिला का चेहरा नोचा, 10 टांके लगे; मोहल्ले में दहशत, लाठी-डंडों के साथ पहरा दे रहे

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। इटारसी के नाला मोहल्ला,

भगत सिंह नगर में सोमवार रात करीब 10 बजे एक पागल सियार ने रिहायशी इलाके में घुसकर लोगों पर हमला कर दिया। इस घटना में महिला और बच्चे समेत करीब 10 से 12 लोग घायल हो गए, जिससे पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया।

महिला के जबड़े पर किया हमला, आए 10 टांके: हमले में 55 वर्षीय कौशल्या बाई प्रजापति गंभीर रूप से घायल हुई हैं। सियार ने उनके चेहरे और जबड़े को बुरी तरह नोच लिया। उन्हें तुरंत इटारसी के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उनके जबड़े पर करीब 10 टांके लगाए गए हैं।

10 साल के बच्चे समेत कई लोग घायल: सियार ने रास्ते में आने वाले कई अन्य लोगों को भी काट कर घायल कर दिया। घायलों में शकील अहमद, महेंद्र साहू, अभय प्रजापति, संजय प्रजापति, सिमरन मौर्य और एक 10 वर्षीय बच्चा शामिल है।

अस्पताल में चल रहा घायलों का इलाज: सरकारी अस्पताल में तैनात डॉ. विकास जयपुरिया ने बताया कि 10 से 12 घायलों को अस्पताल लाया गया है। सभी मरीजों का प्राथमिक उपचार कर उन्हें एंटी-रेबीज इंजेक्शन और ड्रेसिंग दी गई है। फिलहाल सभी को डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है।

मोहल्ले में फैला खौफ, लाठी-डंडों के साथ पहरा: स्थानीय निवासियों का मानना है कि सियार पास की झाड़ियों या जंगलों से भटककर बस्ती में आ गया था। घटना के बाद इलाके में खौफ का सन्नाटा पसरा हुआ है और लोग सुरक्षा के लिए लाठी-डंडे लेकर पहरा दे रहे हैं।

यह हुए घायल: हमले में घायल होने वालों में कौशल्या बाई (54), सलमान शाह (31), अभिषेक पाल (30), इसराइल शाह (45), अनूप बरखने (50), शकील अहमद (52), दौलत प्रसाद (44), अभय प्रजापति (10), महेंद्र साहू (53), सिमरन मौर्य (26), बृजेश सिंह (30), अतीक अहमद (14) और सोनू (23) शामिल हैं। सियार ने सबसे गंभीर हमला कौशल्या बाई पर किया, जिनके चेहरे पर गहरे घाव आए हैं। अधिकांश मरीजों के कमर और पैर में सियार ने काटा है। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। सूचना मिलते ही पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सियार की तलाश शुरू कर दी। स्थानीय लोगों से रात में सतर्क रहने और अकेले बाहर नहीं निकलने की अपील की गई है।

बुरहानपुर में दो दिन राहत के बाद रिमझिम लौटी तापमान 31 डिग्री पहुंचा; अब तक 13.9 इंच बरसात हुई

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर जिले में 1 जून से अब तक कुल 13.9 इंच (353.0 मिमी) बारिश दर्ज की गई है। यह पिछले साल की इसी अवधि की 9.0 इंच (228.6 मिमी) बारिश से

अधिक है। पिछले दो-तीन दिनों से बारिश न होने के कारण तापमान में वृद्धि देखी गई थी, हालांकि सोमवार शाम डाभियाखेड़ा क्षेत्र में हुई रिमझिम बारिश से मौसम में कुछ ठंडक आई। थोड़ी देर यह बारिश भी हुई। पिछले लगभग पांच दिनों से जिले का तापमान 30 से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है। सोमवार को अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जिले की औसत वार्षिक बारिश का आंकड़ा 823.6 मिमी है, जबकि इस साल अब तक 353.0 मिमी बारिश हुई है।

सीहोर में 10 लाख का भवन बना खंडहर 10 साल से अधूरा पड़ा सामुदायिक भवन, ग्रामीणों को नहीं मिल रहा फायदा

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले की इछावर जनपद पंचायत के नयापुरा गांव में सरकारी योजना की एक तस्वीर सामने आई है, जहां करीब 10 साल से सामुदायिक भवन अधूरा पड़ा हुआ है। ग्रामीणों को सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए आज भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वर्ष 2017 में विधायक निधि से स्वीकृत इस भवन के निर्माण के लिए राशि तो जारी हुई, लेकिन काम पूरा नहीं हो सका। अब अधूरा भवन धीरे-धीरे जर्जर हालत में पहुंच चुका है।

10 लाख रुपये हुए थे स्वीकृत, पहली किश्त में मिले थे 4 लाख: जानकारी के अनुसार, वर्ष 2017 में विधायक निधि से नयापुरा गांव में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 10 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी।निर्माण कार्य शुरू कराने के लिए ग्राम पंचायत को पहली किश्त के रूप में 4 लाख रुपये जारी किए गए थे। इसके बाद निर्माण कार्य आगे नहीं बढ़ पाया और भवन अधूरा रह गया।

मूल्यांकन में गड़बड़ी के बाद रुकी अगली किश्त: ग्रामीणों का आरोप है कि तत्कालीन सरपंच और सचिव के कार्यकाल में निर्माण में वित्तीय अनियमितताएं बरती गईं। बताया जा रहा है कि इंजीनियर के मूल्यांकन में गड़बड़ी सामने आने के बाद पंचायत को अगली किश्त जारी नहीं की गई, जिसके कारण भवन निर्माण का काम बीच में ही रुक गया।

अधूरा भवन बना खंडहर, दीवारों में आई दरारें: करीब एक दशक से अधूरा पड़ा सामुदायिक भवन अब बदहाल हो चुका है। भवन परिसर में घास उग आई है, बुनियाद कमजोर हो रही है और दीवारों पर पानी का असर दिखाई दे रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी राशि खर्च होने के बावजूद उन्हें भवन का लाभ नहीं मिल पा रहा है। वहीं नया सामुदायिक भवन भी स्वीकृत नहीं हो पा रहा है।

सरपंच बोले- नए भवन की स्वीकृति में आ रही परेशानी: ग्राम पंचायत सरपंच रूपसिंह ने बताया कि अधूरा सामुदायिक भवन होने के कारण नया भवन स्वीकृत नहीं हो पा रहा है।उन्होंने कहा कि गांव में छोटे-बड़े सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए भी ग्रामीणों को परेशानी उठानी पड़ती है।

पूर्व सचिव ने कहा- पहली किश्त से कराया था काम: तत्कालीन सचिव राजेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि उन्हें पहली किश्त के रूप में 4 लाख रुपये मिले थे और उसी राशि से निर्माण कार्य कराया गया था। उन्होंने कहा कि आगे की किश्त नहीं मिलने के कारण काम रुक गया। वर्तमान स्थिति के बारे में उन्होंने जानकारी होने से इनकार किया, क्योंकि अब वह दूसरी पंचायत में पदस्थ हैं।

सागर में एडवोकेट ने खाया जहर, मौत चिल्लाने की आवाज सुन परिजन पहुंचे, साथी बोले- मानसिक तनाव था

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर में कैंट थाना क्षेत्र के सदर इलाके में रहने वाले अधिवक्ता ने मंगलवार को जहरीला पदार्थ खा लिया?। परिवार के लोग उन्हें निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डाक्टरों ने चेकअप के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जानकारी के अनुसार, एडवोकेट दीपक रंजन तिवारी निवासी सदर मंगलवार सुबह अपने घर पर थे। तभी उन्होंने अज्ञात कारणों के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। उनके चिल्लाने की आवाज सुन परिवार के लोग मौके में पहुंचे तो देखा दीपक जमीन पर पड़े थे। तत्काल दीपक को सागर के बंसल हास्पिटल लेकर पहुंचे। जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। अधिवक्ता दीपक रंजन तिवारी की मौत की खबर फैलते ही साथी अधिवक्ता और उनके परिचितों की अस्पताल में भीड़ लग गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

सीथी बोले- तनाव में थे: मामले में आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है। मृतक के परिजन अभी कुछ बोलने की स्थिति में नहीं हैं। हालांकि कुछ परिचितों का कहना है कि मृतक अधिवक्ता दीपक के खिलाफ एक मामला चल रहा है। जिसको लेकर वे मानसिक तनाव में थे। कुछ दिनों से न्यायालय भी नहीं आ रहे थे। हालांकि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जिले में खरीफ फसल हेतु पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है खाद

जिले में वर्तमान में यूरिया 17567 मे.टन, डीएपी 3693 मे.टन तथा एनपीके 7357 मे.टन का है भण्डारण

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में खरीफ वर्ष 2026 हेतु पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध हैं। कृषि विभाग के उप संचालक श्री केपी भगत ने अद्यतन जानकारी देते हुए बताया कि जिले में खरीफ 2026 हेतु उर्वरक लक्ष्य 137050 मैट्रिक टन है। जिले में अभी तक यूरिया, डीएपी, एमओपी, एनपीके तथा एसएसपी को मिलाकर कुल 104870 मैट्रिक टन उर्वरक प्राप्त हुई है जिसमें से किसानों को 62328 मैट्रिक टन खाद का वितरण हो गया है तथा वर्तमान में 42543 मैट्रिक टन खाद उपलब्ध है। इसमें यूरिया 17567 मैट्रिक टन, डीएपी 3693 मैट्रिक टन, एमओपी 3319 मैट्रिक टन, एनपीके 7357 मैट्रिक टन तथा एसएसपी 10607 मैट्रिक टन उपलब्ध है। जिले में खाद की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने निरंतर खाद की रैक प्राप्त हो रही हैं। जिले में स्थित विपणन संघ केन्द्रों पर भी पर्याप्त मात्रा में खाद की उपलब्धता है। विपणन संघ केन्द्रों में कुल यूरिया 6239.786 मैट्रिक टन, डीएपी 676.05 मैट्रिक टन तथा एनपीके 4162.55 मैट्रिक टन उपलब्ध है। इनके अतिरिक्त जिले की सहकारी समितियों में भी कुल यूरिया 5304.571 मैट्रिक टन, डीएपी 640.15 मैट्रिक टन तथा एनपीके 1157.5 मैट्रिक टन उपलब्ध है। जिले के थोक निजी उर्वरक विक्रेताओं के पास यूरिया 791.105 मैट्रिक टन, डीएपी 38.1 मैट्रिक टन तथा एनपीके 115.75 मैट्रिक टन उपलब्ध है। जिले के फुटकर निजी उर्वरक विक्रेताओं के पास कुल यूरिया 1998.1 मैट्रिक टन, डीएपी 135.45 मैट्रिक टन तथा एनपीके 467.75 मैट्रिक टन उपलब्ध है। जिले में प्राप्त होने वाली उर्वरक रैक की जानकारी देते हुए बताया कि डीएपी की 995.27 मैट्रिक टन की रैक जिले को प्राप्त होने वाली है। जिले के किसानों से अपील करते हुए उप संचालक कृषि ने कहा कि जिले में उर्वरकों की कोई कमी नहीं है, किसान भाई अपनी खरीफ फसलों की बौनी हेतु आवश्यकतानुसार फास्फेटिक उर्वरक अथवा एनपीके अपनी सहकारी समिति, निकटतम डबल लॉक केन्द्र अथवा निजी पंजीकृत विक्रेता से क्रय कर सकते हैं। खरीफ फसल की बोनी में आधार खाद के रूप में एनपीके, सुपर फास्फेट का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए क्योंकि डीएपी से दो पोषक तत्वा नाइट्रोजन एवं फॉस्फोरस प्राप्त होते हैं जबकि सुपर फॉस्फेट से अतिरिक्त सल्फर तत्व प्राप्त होता है जो तिलहनी फसलों के लिए आवश्यक है। एनपीके के उपयोग से एक अतिरिक्त तत्व पोटाश प्राप्त होता है जो फसल के लिए आवश्यक भी है और पौधों को रोग, बीमारी तथा कीटों से भी सुरक्षा प्रदान करता है।

सागर में अधिकारी बनकर महिला स्वास्थ्यकर्मी से ठगी

नायब तहसीलदार बनकर फोन किया, बजट राशि के नाम पर 60 हजार रुपए

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर जिले के केसली क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की महिला कर्मचारी के साथ साइबर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। ठग ने खुद को प्रशासनिक अधिकारी बताकर महिला कर्मचारी को अपने झांसे में लिया और अलग-अलग बैंक खातों में करीब 60 हजार रुपए ट्रांसफर करा लिए। ठगी का एहसास होने के बाद महिला कर्मचारी ने सागर एसपी कार्यालय पहुंचकर साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नायब तहसीलदार बनकर किया फोन, बजट राशि का दिया झांसा: जानकारी के अनुसार, केसली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत उप स्वास्थ्य केंद्र मोहासा में पदस्थ एएनएम मीना पटेल ने शिकायत में बताया कि रविवार को उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को नायब तहसीलदार अशोक मीणा बताया। आरोपी ने कहा कि उप स्वास्थ्य केंद्र की मरम्मत के लिए बजट स्वीकृत हुआ है और यह राशि उनके बैंक खाते में ट्रांसफर की जानी है।

पेमेंट एप डाउनलोड कराकर तीन खातों में ट्रांसफर कराए रुपए: ठग ने बातचीत के दौरान एएनएम को विश्वास में लिया और एक पेमेंट एप डाउनलोड करने के लिए कहा। इसके बाद अलग-अलग बातों में उलझाकर तीन बैंक खातों से करीब 60 हजार रुपए ट्रांसफर करा लिए। महिला कर्मचारी को जब ठगी का संदेह हुआ तो उन्होंने तुरंत मामले की जानकारी अधिकारियों को दी और इसके बाद एसपी कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

मुनाफे के लालच में 10 लाख की साइबर ठगी रतलाम में फेसबुक लिंक से फंसा निवेशक, पुलिस ने खातों में 5 लाख की राशि होल्ड कराई

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। शेयर मार्केट में निवेश कर डबल मुनाफा कमाने के चक्कर में 10 लाख की ठगी हो गई है। फेसबुक पर आई लिंक के सांझे में आकर अलग-अलग समय में कुल 10 लाख जमा करा दिए। लेकिन रिटर्न कुछ नहीं मिला। लिंक बंद होने पर पता चला कि सायबर ठगों ने रुपए ठग लिए। तब पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने सायबर ठगों के खातों से 5 लाख रुपए से अधिक की राशि को होल्ड कराया। मामला स्टेशन रोड थाना क्षेत्र से जुड़ा है। फरियादी द्वारा 12 मार्च 26 को साइबर सेल रतलाम में शिकायत दर्ज कराई थी। फरियादी ने बताया कि उसे फेसबुक पर एक लिंक प्राप्त हुई थी, जिसके माध्यम से उसे शेयर मार्केट में निवेश कर अधिक लाभ कमाने का लालच दिया गया। लालच में आकर फरियादी ने 27 फरवरी 2026 से 12

मार्च 2026 के बीच अलग-अलग किस्तों में 10 लाख रुपए से अधिक की राशि कथित निवेश के नाम पर जमा कर दी। ठगों द्वारा फरियादी को अधिक मुनाफा दिलाने का लालच देकर लगातार और राशि निवेश करने के कहते रहे।

एप्लीकेशन बंद होने पर चला पता: जब फरियादी द्वारा निवेश की गई राशि को वापस निकालने (विड्रॉल) करने का प्रयास तो संबंधित एप्लीकेशन बंद हो गई। इसके बाद फरियादी को अपने साथ साइबर ठगी का आभास हुआ। तब उसने तत्काल साइबर सेल रतलाम में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत पर साइबर सेल रतलाम द्वारा कार्रवाई करते हुए शिकायत को नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (ह्रष्टक्रक्क) पर दर्ज किया। साइबर सेल टीम द्वारा प्राप्त शिकायत के आधार पर संबंधित बैंक खातों एवं लेनदेन की जानकारी निकालते हुए ठगों के खातों में पहुंची 5 लाख से अधिक राशि होल्ड करवाई। साइबर सेल की तत्परता के कारण फरियादी की ठगी गई राशि में से महत्वपूर्ण राशि को आगे ट्रांसफर होने से रोका।

खातों में आई 2.68 लाख की राशि: साइबर सेल टीम द्वारा आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए कोर्ट के समक्ष राशि रिफंड के लिए कार्रवाई की। कोर्ट द्वारा 5,04,126 लाख फरियादी के खाते में वापस किए जाने के आदेश जारी किए। आदेश के अनुपालन में अब तक फरियादी के बैंक खाते में 2,68,907 लाख की राशि प्राप्त हो चुकी है। सायबर सेल के अनुसार शेष राशि भी फरियादी के खाते में रिफंड करवाने की प्रक्रिया जारी है

86 लाख से अधिक राशि होल्ड कराई: एसपी अमित कुमार ने बताया कि साइबर अपराधों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। वर्ष 2026 में अब तक रतलाम पुलिस द्वारा साइबर ठगी के मामलों में कुल ?86,28,026 की राशि ठगों के खातों में होल्ड करवाने में सफलता प्राप्त की है। इनमें से ?20,23,739 की राशि फरियादियों के खातों में रिफंड करवाई जा चुकी है, जबकि शेष होल्ड राशि को भी संबंधित फरियादियों के खातों में वापस करवाने के लिए आवश्यक वैधानिक एवं न्यायालयीन प्रक्रिया जारी है। ठगों के खातों से राशि रिफंड कराने में प्रभारी सायबर सेल रतलाम सब इंस्पेक्टर जीवन बारिया, हेड कॉन्स्टेबल हिम्मत सिंह, कॉन्स्टेबल मोरसिंह एवं राहुल पाटीदार की भूमिका रही।

अनजान लिंक पर ना करे लिंक: रतलाम पुलिस ने आमजन से अपील की कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म विशेषकर फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्अप अथवा अन्य माध्यमों से प्राप्त किसी भी अनजान लिंक के माध्यम से शेयर मार्केट, ट्रेडिंग या निवेश के नाम पर पैसे जमा न करें। किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर घबराएं नहीं और तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करें। साथ ही संबंधित बैंक को भी तुरंत सूचित करें। साइबर अपराध की सूचना जितनी जल्दी दी जाएगी, ठगी गई राशि को होल्ड करवाने की संभावना उतनी ही अधिक होगी।

टी20 वर्ल्ड कप में 20 नहीं 24 टीमें लेंगी हिस्सा!

2028 और 2030 में टूर्नामेंट का फॉर्मेट भी बदलेगा

नई दिल्ली,एजेसीं। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल द्वारा हाल ही में 2028 और 2030 टी20 वर्ल्ड कप में टूर्नामेंट के फॉर्मेट बदलने की जानकारी दी गई थी। अब नई रिपोर्ट के मुताबिक यह जानकारी सामने आई है कि, आईसीसी ने अब टीमों की संख्या बढ़ाने का भी प्लान किया है। अभी तक 20 टीमें टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेती हैं। गौरतलब है कि 2024 में 16 से 20 तक संख्या बढ़ाई गई थी। अब यह संख्या 24 तक जा सकती है।

टेलीग्राफ की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक आईसीसी ने अपना विजन टी20 वर्ल्ड कप को 32 टीमों का टूर्नामेंट बनाने का रखा है। ऐसे में 2032 के संस्करण में 20 से 24 टीमों तक यह टूर्नामेंट बढ़ सकता है। हालांकि, अगले दो संस्करण 2028 और 2030 में 20 टीमें ही हिस्सा लेंगी। वहीं अगले दोनों टी20 वर्ल्ड कप आईसीसी द्वारा तय किए गए नए फॉर्मेट पर ही खेले जाएंगे।

क्यों लिया जा सकता है यह फैसला?

रिपोर्ट में कहा गया कि 2026 टी20 वर्ल्ड कप की सफलता के बाद गवर्निंग काउंसिल द्वारा अन्य देशों के लिए मौके बढ़ाने और दुनियाभर में क्रिकेट के नए बाजार को तैयार करने के लिए यह फैसला लिया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक आईसीसी का विजन है टी20 वर्ल्ड कप को 32 टीमों का टूर्नामेंट करवाने का। इसलिए आईसीसी धीरे-धीरे टीमों की संख्या बढ़ाकर इस टूर्नामेंट की सफलता को आंकना चाहता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि आईसीसी के मुताबिक टी20 फॉर्मेट क्रिकेट को दुनियाभर में आगे बढ़ाने का सबसे असरदार जरिया है। 2028 लॉस एंजिल्स

'संजू की 100 प्रतिशत वापसी होगी'

अभिषेक पर भड़के वर्ल्ड कप चैंपियन, कहा- चयनकर्ताओं को लेना होगा कड़ा फैसला

नई दिल्ली,एजेसीं। भारतीय टीम आयरलैंड और इंग्लैंड में हार के बाद जिम्बाब्वे में 3-0 की जीत के साथ पटरी पर लौटी है। मगर टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का प्रदर्शन सवालों के घेरे में है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने पिछली छह पारियों में खासतौर से काफी निराश किया है। उनका पिछली छह पारियों में सर्वोच्च स्कोर 16 रन ही है। इसी कारण टीम इंडिया के पूर्व विश्व चैंपियन खिलाड़ी ने उनके ऊपर चयनकर्ताओं से कड़ा फैसला लेने की मांग की है।

अभिषेक की पिछली 10 पारियों की बात करें तो वह सिर्फ एक अर्धशतक ही लगा पाए हैं। उन्होंने इस दौरान 191 रन ही बनाए हैं। आयरलैंड दौरे पर 49 और 0, इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो मैचों में 59 और 43 रन के बाद अभिषेक शर्मा का बल्ला खामोश है। उसके बाद लगातार उन्हें छह मौके मिले। जबकि संजू सैमसन को इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच और आयरलैंड के खिलाफ पहले दो मैच में फ्लाप होने के बाद तीन पारियों को देखते ही बाहर कर दिया गया था।

शर्मिला ने स्वर्ण जीत रचा इतिहास

- अजय बाबू-सर्वेश कुशारे ने झटके रजत
- शिल्पा ने कांस्य पदक अपने नाम किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। शर्मिला धनखड़ ने महिला शॉट पुट एफ57 स्पर्धा में स्वर्ण पदक के साथ इतिहास रचा जबकि वेटलिफ्टिंग में ज्ञानेश्वरी यादव के बाद वल्लुरी अजय बाबू ने कॉमनवेल्थ गेम्स में सोमवार (28 जुलाई) को रजत पदक जीतकर भारत के अभियान को यादगार बनाया। सर्वेश कुशारे ने पुरुषों की ऊंची कूद स्पर्धा में दबाव के बीच शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। एथलेटिक्स में कुछ अन्य खिलाड़ियों ने फाइनल और मुक्केबाजों ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाकर देश के लिए उम्मीदें बढ़ा दीं। भारत के लिए राष्ट्रमंडल खेलों का चौथा दिन शानदार उपलब्धियों से भरा रहा, जहां दिन की सबसे बड़ी कहानी पैरा एथलेटिक्स से आई। 40 वर्षीय शर्मिला ने 9.81 मीटर का सत्र का सर्वश्रेष्ठ थ्रो लगाकर स्वर्ण पदक जीता और राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के पैरा एथलेटिक्स पदक के 20 साल के इंतजार को खत्म किया। इस स्पर्धा में एक और भारतीय खिलाड़ी शिल्पा शायला को विवाद के बाद कांस्य पदक प्रदान किया गया।

- **सर्वेश कुशारे ने रजत पदक जीता-** बिंद्यारानी ने स्नैच में 87 और क्लीन एंड जर्क में 112 समेत कुल 199 किलो वजन उठाया। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक सर्वेश कुशारे ने पुरुषों की ऊंची कूद स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बनकर इन खेलों में इतिहास रच दिया। कुशारे ने 2.25 मीटर की ऊंचाई पार कर दूसरा स्थान हासिल किया। जमैका के रोमेन बेकफोर्ड ने स्वर्ण पदक जीता। दोनों खिलाड़ी 2.25 मीटर के बाद 2.28 मीटर पार करने में असफल रहे, लेकिन काउंटबैक नियम के आधार पर बेकफोर्ड को विजेता घोषित किया गया।
- **तेजस्विन शंकर से आगे निकले कुशारे-** इंग्लैंड के जैक किमानी ने 2.20 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता। अन्य भारतीय खिलाड़ी आदर्श राम 2.15 मीटर की छलांग के साथ पांचवें स्थान पर रहे। इससे पहले राष्ट्रमंडल खेलों में ऊंची कूद में भारत का एकमात्र पदक तेजस्विन शंकर ने 2022 बर्मिंघम खेलों में कांस्य पदक के रूप में जीता था, लेकिन 31 वर्षीय कुशारे ने रजत पदक जीतकर उस उपलब्धि को पीछे छोड़ दिया।
- **श्रीशंकर ने फाइनल में जगह बनाई-** तेजस्विन ने भी सोमवार को स्पर्धा में हिस्सा लिया, लेकिन गुरुवार से शुरू होने वाली पुरुषों की डेकाथलॉन स्पर्धा की तैयारी को देखते हुए उन्होंने 2.05 मीटर के पहले प्रयास में असफल रहने के बाद हटने का फैसला किया। भारत के लंबी कूद के खिलाड़ी एम. श्रीशंकर ने क्वालीफाइंग स्तर पार करके राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में जगह बनाई।

- **श्रीशंकर का शानदार प्रदर्शन-** श्रीशंकर ने ग्रुप-ए में अपने पहले ही प्रयास में 8.01 मीटर की दूरी तय करके सीधे फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया। उनका सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8.38 मीटर है। फाइनल के लिए क्वालीफाइंग स्तर आठ मीटर या सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कम से कम 12 खिलाड़ी थे। 27 साल के श्रीशंकर ग्रुप-ए से सीधे क्वालीफाई करने वाले एकमात्र खिलाड़ी रहे।

शिल्पा शायला चौथे स्थान पर रही

शिल्पा ने 7.26 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया था। शुरुआत में नाइजीरिया की यूचेरिया इयियाजी कांस्य पदक की स्थिति में थीं, लेकिन भारतीय दल की आपत्ति और आधिकारिक समीक्षा के बाद उनके एकमात्र वैध प्रयास को फाउल करार दिया गया। इसके बाद चौथे स्थान पर रहीं शिल्पा शायला को कांस्य पदक मिल गया। पदक में बदलाव की घोषणा के बाद भावुक शिल्पा ने शर्मिला के साथ जश्न मनाया। इस तरह भारत ने इस स्पर्धा में दो पदक हासिल किए।

ज्ञानेश्वरी ने रजत पदक जीत

एफ57 वर्ग उन खिलाड़ियों के लिए होता है जिनके निचले अंगों में अक्षमता, अंगों की कमी या मांसपेशियों की ताकत में कमी होती है। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले के रहने वाले 21 वर्षीय अजय बाबू ने स्नैच में 149 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 181 किग्रा वजन उठाकर कुल 330 किग्रा का भार दर्ज किया। उन्होंने दोनों वर्गों में राष्ट्रमंडल खेलों का रिकॉर्ड बनाया, लेकिन स्वर्ण पदक से वह मामूली अंतर से चूक गए। अनुभवी भारतीय भारोत्तोलक बिंद्यारानी देवी ने अच्छी चुनौती दी, लेकिन क्लीन एंड जर्क में दो नाकाम प्रयासों के कारण उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

बिंदियारानी ने जीता ब्रॉन्ज

- वेटलिफ्टिंग में 5वां मेडल
- भारत के नाम छठां पदक

अब तक मेडल

- मीराबाई चानू : गोल्ड (वेटलिफ्टिंग)
- राजा मुथुपंडी : सिल्वर (वेटलिफ्टिंग)
- ज्ञानेश्वरी यादव : सिल्वर (वेटलिफ्टिंग)
- झंडू कुमार : ब्रॉन्ज (पैरा पॉवरलिफ्टिंग)
- बिंदियारानी देवी : ब्रॉन्ज (वेटलिफ्टिंग)

नई दिल्ली,एजेसीं। ग्लास्गो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के नाम छठा पदक हो गया है। भारत को वेटलिफ्टिंग में पांचवां मेडल मिला है। 58 किलोग्राम वर्ग में बिंदियारानी देवी ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया है। उन्होंने स्नैच और क्लीन एंड जर्क मिलाकर 199 किलोग्राम का कुल वजन उठाया और देश को मेडल दिलाया। इससे पहले बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने सिल्वर मेडल अपने नाम किया था।

58 किलोग्राम की प्रतियोगिता में बिंदियारानी देवी ने स्नैच में अपना बेस्ट अटेम्प्ट 86 किलोग्राम वजन उठाकर दिया था। इसके बाद क्लीन एंड जर्क में उनका बेस्ट 113 किलोग्राम रहा। कुल मिलाकर 199 किलोग्राम के साथ उन्होंने ब्रॉन्ज जीता। वहीं 53 किलोग्राम के बाद 58 किलोग्राम में भी नाईजीरिया को गोल्ड मेडल मिला। राफियातू लावल ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

इससे पहले 27 जुलाई सोमवार को भारत को वेटलिफ्टिंग में ही 53 किलोग्राम वर्ग में ज्ञानेश्वरी यादव ने सिल्वर मेडल दिलाया था। भारत को अब तक मौजूदा राष्ट्रमंडल खेलों में एकमात्र गोल मीराबाई चानू ने दिलाया था। उनको जोड़कर दो पुरुष और तीन महिला वेटलिफ्टर अभी तक इन खेलों में मेडल अपने नाम कर चुके हैं। जबकि एकमात्र मेडल वेटलिफ्टिंग के अलावा पैरा पॉवरलिफ्टिंग में आया था। कॉमनवेल्थ खेलों में भारतीय वेटलिफ्टर्स का प्रदर्शन लगातार शानदार रहा है। भारत वेटलिफ्टिंग के मामले में ऑस्ट्रेलिया के बाद दूसरा सबसे सफल देश है जिसने राष्ट्रमंडल खेलों में अब तक 134 मेडल जीते हैं और 46 गोल्ड इसमें शामिल हैं।

बुमराह-साई अनफिट, जडेजा की वापसी

- सरांश जैन नया चेहरा, श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टीम का ऐलान

नई दिल्ली,एजेसीं। श्रीलंका दौरे पर दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए के लिए भारतीय टीम का मंगलवार (28 जुलाई) को ऐलान हो गया। भारतीय टीम के लिए खिलाड़ियों का चोटिल होना चिंता का विषय है। साई सुदर्शन और जसप्रीत बुमराह चोटिल हैं। उन्हें टीम में चुना गया है, लेकिन यह भी जानकारी दी गई है कि फिट होने पर ही दोनों उपलब्ध होंगे। वाशिंगटन सुंदर पहले टेस्ट में उपलब्ध नहीं होंगे। उन्हें स्क्वाड में भी नहीं चुना गया है।

अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा की वापसी हुई है। वह टेनिस एल्बो की चोट से उबर गए हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में नहीं खेले थे। भारतीय टीम में एकमात्र नए चेहरा सारांश जैन हैं। हर्षित राणा की अनुपलब्धता में आकिब नबी को मौका नहीं मिला है। गुरनूर बरार टीम में बरकरार हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी वह चुने गए थे।

श्रीलंका के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम

शुभमन गिल [कप्तान], केएल राहुल [उप-कप्तान], यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत [विकेटकीपर], साई सुदर्शन*, ध्रुव जुरेल [विकेटकीपर], रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुतार, जसप्रीत बुमराह*, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन।

ऑस्ट्रेलिया ने ठोका पदकों का पचासा, भारत ने भी किया दहाई का आंकड़ा पार

नई दिल्ली,एजेसीं। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की पदक तालिका में ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर बरकरार है। वह पदकों का पचासा लगा चुका है। ऑस्ट्रेलिया ने 26,13 रजत और 20 कांस्य पदक जीता है। इंग्लैंड 32 पदकों के साथ दूसरे नंबर पर है। उसके 8 स्वर्ण, 12 रजत और 20 कांस्य पदक जीता है। कनाडा तीसरे नंबर पर है। 7 स्वर्ण, 8 रजत और 6 कांस्य पदक जीते हैं। भारत ने पदकों की संख्या के मामले में दहाई का आंकड़ा पार कर लिया है। हालांकि, उसकी रैंकिंग में सुधार नहीं हुआ है। वह 8वें नंबर पर बना हुआ है। ग्लासगो में सोमवार (27 जुलाई) का दिन भारत के लिए काफी अच्छा रहा। भारत ने 1 स्वर्ण, 3 रजत और दो कांस्य पदक जीते। शर्मिला धनखड़ ने पैरा शॉटफुट में स्वर्ण जीतकर इतिहास रचा। इसी स्पर्धा में शिल्पा शायला को कांस्य पदक जीता। वेटलिफ्टिंग में भारत अबतक 6 पदक जीत चुका है।

भारत से ऊपर नाइजीरिया- नाइजीरिया का स्थान भारत से ऊपर है। उसके 10 पदक हैं। उसने 6 स्वर्ण और 4 रजत पदक जीते हैं। स्कॉटलैंड के 11 पदक हैं। उसने 6 स्वर्ण, 4 रजत और 2 कांस्य पदक जीते हैं। साउथ अफ्रीका ने 11 पदक जीते हैं। उसके 3 स्वर्ण, 3 रजत और 5 कांस्य पदक जीते हैं। मलेशिया के 5 पदक हैं। 3 स्वर्ण और 2 कांस्य पदक जीते हैं।

वरिष्ठ खेल पत्रकार जसविंदर सिद्धू का निधन

सड़क हादसे में गंवाई जान; बाइक चालक ने मारी टक्कर

नई दिल्ली,एजेसीं। भारतीय खेल जगत के वरिष्ठ पत्रकार जसविंदर सिद्धू का रविवार 26 जुलाई की देर रात एक सड़क दुर्घटना के बाद निधन हो गया है। नेशनल हाईवे 9 पर उन्हें एक बाइक चालक ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक चालक भी घायल हो गया। उसका भी इलाज जारी है। यह हादसा पूर्वी दिल्ली के एनएच-9 पर हुआ। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी और तत्काल प्रभाव से शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

जसविंदर सिद्धू के एक करीबी से मिली जानकारी के मुताबिक रविवार देर रात करीब 12:15 बजे उन्हें इस हादसे की जानकारी

मिली। उन्होंने बताया कि जब एक राहगीर का जसविंदर सिद्धू के फोन से करीबी के पास कॉल आया तो इस हादसे की खबर मिली। फिर जब उस व्यक्ति ने जसविंदर सिद्धू के नंबर पर कॉल किया तो उन्होंने रोते हुए और कराहते हुए खुद इस हादसे के बारे में बताया।

करीबी ने बताया कि हादसे के बाद फोन पर उनसे बात करते हुए जसविंदर सिद्धू ने रोते हुए कहा, 'रोशन यार बहुत चोट लग गई है तू जल्दी आजा। मैंने उनको कहा भैया आप चिंता मत करो मैं तुरंत पहुंच रहा हूं। मैंने इसके बाद दूसरे करीबी को कॉल किया और उनको बताया।

अटैक आने से हुआ निधन

करीबी ने बताया, 'मैंने उनको कहा भैया मैं आ गया हूं चिंता मत करना। उन्होंने मुझे रिस्पांस भी किया। फिर मैं डॉक्टर से उनका परिचय दिया और अपना भी परिचय दिया और इलाज के लिए तत्परता दिखाने की बात कही। डॉक्टर मुझसे उनके पिताजी का नाम घर का पता वगैरह पूछने लगे। मैंने बताया मुझे मालूम नहीं है। फिर डॉक्टर ने कहा कि देख लो पॉकेट में कुछ होगा आईडी वगैरह। फिर डॉक्टर ने आईडी वगैरह लिया और इलाज शुरू करवाया। इसी बीच उनको अटैक आ गया। डॉक्टर ने काफी कोशिश की। वह एक बार होश में भी आए। फिर उन्हें जीटीबी हॉस्पिटल लेकर ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया।'

वैभव सूर्यवंशी सितंबर में होने वाली टी-20 में खेल

- टी-20 अफगानिस्तान के साथ आयोजित होगी सीरीज

नई दिल्ली,एजेसीं। भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे दौरे पर टी20 सीरीज 3-0 से अपने नाम की। कप्तान श्रेयस अय्यर की कप्तानी में लगातार दो टी20 सीरीज गंवाने के बाद अब भारत ने अय्यर की कप्तानी में खाता खोला है। वैभव सूर्यवंशी इस सीरीज में हीरो रहे और 3 पारियों में 151 रन बनाकर टॉप स्कोरर भी बने। उन्हें अंतिम मुकाबले में प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया। अब नजरें होंगी कि कब वैभव फिर से टीम इंडिया की जर्सी में नजर आएंगे।

दरअसल अब टीम इंडिया को श्रीलंका का दौरा करना है जहां दो टेस्ट मैच खेले जाएंगे। उसके बाद अफगानिस्तान की मेजबानी में दिल्ली में तीन मैचों की टी20 सीरीज 13, 15 और 17 सितंबर को आयोजित हो सकती है। मगर उससे पहले टीम इंडिया तीन वनडे और तीन टी20 बांग्लादेश के साथ भी खेल सकती है जिसकी पुष्टि नहीं हुई है।

उचेहरा की जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनीं 19 आवेदकों की समस्याएं

पंचायत एवं ग्रामीण विकास से जुड़े सबसे अधिक प्रकरण पहुंचे, अधिकारियों को समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। आमजन की समस्याओं का मौके पर समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार को उचेहरा के जनपद पंचायत सभागार में खंड स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की गई जनसुनवाई में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने स्वयं पहुंचकर 19 आवेदकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए जनसुनवाई में जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याएं लेकर ग्रामीण एवं आमजन पहुंचे। कलेक्टर ने आवेदकों से उनकी समस्याओं के संबंध में जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों से प्रकरण की स्थिति पूछते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए उसकी वास्तविक स्थिति की जांच की जाए और नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास के सर्वाधिक आवेदन: खंड स्तरीय जनसुनवाई के दौरान पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित सर्वाधिक प्रकरण सामने ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों, पंचायत स्तर की व्यवस्थाओं और ग्रामीण हित से जुड़े मामलों को लेकर लोगों ने अपनी समस्याएं कलेक्टर के समक्ष रखीं इसके अलावा जाति प्रमाण पत्र, राजस्व और अन्य विभागों से संबंधित आवेदन भी प्राप्त हुए कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों को केवल औपचारिकता के तौर पर न लिया जाए बल्कि प्रत्येक प्रकरण का परीक्षण कर उसके निराकरण की कार्रवाई की जाए उन्होंने कहा कि शिकायतों और आवेदनों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाना चाहिए, जिससे आमजन को अपनी समस्या के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना: जनसुनवाई में पहुंचे प्रत्येक आवेदक को अपनी बात रखने का अवसर दिया गया। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों की मौजूदगी में आवेदकों की समस्याएं सुनीं और आवश्यकतानुसार अधिकारियों से मौके पर ही जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन मामलों में विभागीय स्तर पर कार्रवाई संभव है उनमें अनावश्यक देरी न की जाए। कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन का प्रमुख उद्देश्य आम नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराना और उनकी समस्याओं का निर्धारित समय में समाधान करना इसके लिए अधिकारियों को संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ काम करना होगा उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवेदनों की नियमित निगरानी करने तथा निराकरण की स्थिति से अवगत कराने के निर्देश भी दिए।

अचानक जनसुनवाई में पहुंचने का नवाचार: उल्लेखनीय है कि कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने जिले के खंड एवं तहसील स्तर पर मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई में आकस्मिक रूप से शामिल होने का नवाचार शुरू किया है इसका उद्देश्य यह देखना भी है कि स्थानीय स्तर पर आमजन की शिकायतों और समस्याओं को किस प्रकार सुना और निराकृत किया जा रहा है इसी नवाचार के तहत पिछले मंगलवार को कलेक्टर अचानक तहसील रामपुर बघेलान पहुंचे थे और वहां आयोजित जनसुनवाई में शामिल होकर आम लोगों की समस्याएं सुनी थीं इसके बाद इस मंगलवार को उन्होंने उचेहरा पहुंचकर खंड स्तरीय जनसुनवाई में सहभागिता की प्रशासन के इस नवाचार से तहसील एवं जनपद स्तर पर आयोजित होने वाली जनसुनवाई में अधिकारियों की जवाबदेही बढ़ाने के साथ आमजन को अपनी समस्याएं स्थानीय स्तर पर रखने का अवसर मिल रहा है।

एमएलबी विद्यालय में बुजुर्ग शिक्षक से कथित मारपीट का वीडियो वायरल

शिक्षक संघ अध्यक्ष पर अभद्रता और हाथापाई के आरोप, निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई (एमएलबी) विद्यालय, सतना में बुजुर्ग शिक्षक एवं इंग्लिश लेक्चरर गरीब दास त्रिपाठी के साथ कथित मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद शिक्षा जगत में नाराजगी का माहौल है वायरल वीडियो को लेकर शिक्षक समुदाय के बीच मामले की निष्पक्ष जांच और दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की मांग उठ रही है वायरल वीडियो में जिला शिक्षक संघ के अध्यक्ष शैलेन्द्र त्रिपाठी और शिक्षक गरीब दास त्रिपाठी के बीच कथित तौर पर विवाद और हाथापाई होती दिखाई दे रही है। वीडियो की सत्यता और घटना के पूरे संदर्भ की आधिकारिक पुष्टि अभी जांच का विषय है। ऐसे में संबंधित पक्षों के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच किए जाने की मांग की जा रही है कुछ शिक्षकों की ओर से यह आरोप भी लगाए गए हैं कि जिला शिक्षक संघ के अध्यक्ष पद का कथित रूप से दुरुपयोग कर शिक्षकों पर दबाव बनाया जाता है संगठन के नाम पर डराने-धमकाने के आरोपों की भी निष्पक्ष जांच की मांग की गई है हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है शिक्षकों का कहना है कि विद्यालय विद्यार्थियों के लिए अनुशासन और संस्कार का केंद्र होता है यदि विद्यालय परिसर में किसी बुजुर्ग शिक्षक के साथ अभद्रता या मारपीट की घटना हुई है तो यह गंभीर विषय है ऐसी घटनाओं का विद्यार्थियों और विद्यालय के वातावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है मामले में प्रशासन और शिक्षा विभाग से मांग की गई है कि वायरल वीडियो, उपलब्ध साक्ष्यों तथा संबंधित शिक्षकों एवं प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कराई जाए। जांच में आरोप सही पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए साथ ही शिक्षकों की सुरक्षा, गरिमा और विद्यालयों में भयमुक्त एवं अनुशासित वातावरण सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

सिंध स्मृति दिवस पर सामाजिक प्रतिभाओं का होगा सम्मान

भारतीय सिंधू सभा की बैठक में आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों पर चर्चा, भोपाल में 9 अगस्त को होगा प्रांतीय प्रतिभा सम्मान समारोह

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राष्ट्रीय समाजसेवी संस्था भारतीय सिंधू सभा सतना शाखा की विशेष बैठक रविवार, 26 जुलाई को कंवर नगर सिंधी कॉलोनी स्थित अमर शहीद हेमू कालानी पार्क परिसर में आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता संस्था अध्यक्ष अशोक चांदवानी ने की। इसमें आगामी अखंड भारत सिंध स्मृति दिवस एवं सामाजिक प्रतिभा सम्मान समारोह को लेकर विस्तार से चर्चा की गई बैठक के दौरान संस्था के पदाधिकारियों ने विंध्य चेंबर ऑफ कॉमर्स के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं भारतीय सिंधू सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश सुखेजा का चेंबर में पुनः अध्यक्ष निर्वाचित होने पर स्वागत किया इसी क्रम में मनोहर वाधवानी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं संस्था के

महामंत्री विनोद गेलानी के कार्यकारिणी सदस्य निर्वाचित होने पर भी उनका सम्मान किया गया इसके साथ ही किशोर वलेचा की सफल सिंधु दर्शन यात्रा के लिए संस्था पदाधिकारियों द्वारा उनका अभिनंदन किया गया संस्था के महामंत्री विनोद गेलानी ने बताया कि आगामी 9 अगस्त को भोपाल में भारतीय सिंधु सभा एवं मेला समिति के संयुक्त तत्वावधान में प्रांतीय प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली सामाजिक प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं बैठक में संस्था के नवीन सदस्यता अभियान को लेकर भी गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया तथा अधिक से अधिक लोगों को संस्था से जोड़ने पर जोर दिया गया बैठक का संचालन महामंत्री विनोद गेलानी ने किया, जबकि आभार प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य गोपीचंद कापड़ी ने व्यक्त किया इस अवसर पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य गोपी गेलानी, प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश सुखेजा, संस्था अध्यक्ष अशोक चांदवानी, महिला शाखा की प्रदेश उपाध्यक्ष राखी होतचंदानी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य गोपीचंद कापड़ी, विजय जग्यासी, मनोहर आर्तनी, श्रीचंद मनवानी, अशोक आहूजा, पहलाज राय भावनानी, जेठानंद वाधवानी, कालू पुरुस्वानी, इंद्रलाल कापड़ी, सुरेश बासानी, किशोर वलेचा, केशव माखीजा, संजय आहूजा, रंजीत सेनानी, करतार कमरानी, ज्ञान खटवानी, राजकुमार रोचलानी, नारायण दास गुलाबी, दीपक सचदेवा, शंकर सेनानी, राजू साधवानी, भानु हासवानी, भरत कामदार सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

सतना में 'साझा एग्जीबिशन 2026' का आयोजन 29-30 जुलाई को

फैशन, हस्तशिल्प और क्रिएटिव उत्पादों की होगी प्रदर्शनी, एक ही छत के नीचे मिलेंगे आकर्षक उत्पाद

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शहर के रीवा रोड स्थित होटल प्रियनिवास में 29 एवं 30 जुलाई को साझा एग्जीबिशन 2026' का आयोजन किया जाएगा। दो दिवसीय यह प्रदर्शनी प्रतिदिन सुबह 11 बजे से रात 8 बजे तक आयोजित होगी आयोजन में फैशन, कला, हस्तशिल्प और क्रिएटिव उत्पादों से जुड़े विभिन्न स्टॉल लगाए जाएंगे प्रदर्शनी का उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं, महिला उद्यमियों और रचनात्मक कार्यों को मंच उपलब्ध कराना है आयोजन में शहरवासियों को फैशन और क्रिएटिविटी से जुड़े विभिन्न उत्पाद एक ही स्थान पर देखने और खरीदने का अवसर मिलेगा कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश शासन की राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी होंगी विशिष्ट अतिथियों में महिला थाना सतना की निरीक्षक श्वेता मौर्य, विंध्य ग्रुप की हेड सीएसआर सेनानी, शासकीय मेडिकल कॉलेज की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. आकृति गुप्ता तथा सोनिया जॉली (उपकार हम हैं सोसायटी) शामिल होंगी एग्जीबिशन में आर्ट एवं क्रिएटिव वर्क्स, ट्रेंडी क्लोदिंग, फैशन एक्सेसरीज, हस्तनिर्मित उत्पाद, सिरेमिक पॉट्स सहित कई तरह की वस्तुओं की प्रदर्शनी एवं बिक्री की जाएगी आयोजकों के अनुसार प्रदर्शनी में रचनात्मकता और स्थानीय उद्यमिता को प्रमुखता दी जाएगी आयोजकों ने शहरवासियों से अपील की है कि वे दो दिवसीय आयोजन में शामिल होकर स्थानीय प्रतिभाओं और महिला उद्यमियों का उत्साहवर्धन करें आयोजकों का कहना है कि इस तरह के आयोजन स्थानीय स्तर पर तैयार किए जा रहे उत्पादों को पहचान दिलाने के साथ महिला उद्यमियों को अपने कार्य को व्यापक स्तर पर प्रस्तुत करने का अवसर भी प्रदान करते हैं।

कीचड़ भरी सड़क पर ग्रामीणों ने रोपा धान, अनोखे प्रदर्शन से जताया विरोध

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। अमरपाटन जनपद के ग्राम खड़मसेड़ा में ग्रामीणों ने सोमवार को वर्षों से बदहाल सड़क के विरोध में अनोखा प्रदर्शन लोकनाथ चौराहे से बस्ती तक जाने वाले कीचड़ से भरे मार्ग पर ग्रामीणों ने धान का रोपा लगाकर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों का ध्यान आकर्षित किया ग्रामीणों के अनुसार करीब तीन साल से सड़क जर्जर है और बारिश के दौरान रास्ता पूरी तरह कीचड़ में तब्दील हो जाता है इससे स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को आवागमन में परेशानी होती है ग्रामीण शिवम पटेल ने बताया कि सड़क निर्माण के लिए कई बार आवेदन देने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ।

बारिश से जुड़ी समस्याओं की तुरंत करें शिकायत, नगर निगम ने जारी किए टोल-फ्री और व्हाट्सएप नंबर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शहर में लगातार हो रही बारिश के बीच जलभराव, गंदगी और दूषित पानी से जुड़ी समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए नगर निगम ने शिकायत निवारण व्यवस्था सक्रिय कर दी है महापौर योगेश ताम्रकार के निर्देश पर नागरिकों की सुविधा के लिए टोल-फ्री और व्हाट्सएप नंबर जारी किए गए हैं नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि उनके वार्ड में जलभराव होने, कचरा वाहन नहीं पहुंचने, कचरे का ढेर जमा होने, सड़क अथवा नालियों की सफाई नहीं होने या घरों में गंदा एवं दूषित पानी आने जैसी समस्या हो तो तत्काल शिकायत दर्ज कराएं शिकायत के लिए नगर निगम का टोल-फ्री नंबर 1800 572 4060 और व्हाट्सएप नंबर 89825 19393 जारी किया गया है नागरिक समस्या की फोटो व्हाट्सएप नंबर पर भेजने के साथ टोल-फ्री नंबर पर भी शिकायत दर्ज करा सकते हैं निगम प्रशासन के अनुसार शिकायत मिलने के बाद 24 घंटे के भीतर समस्या के समाधान का प्रयास किया जाएगा महापौर योगेश ताम्रकार ने कहा कि बारिश के मौसम में जलभराव और गंदगी के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है उन्होंने नागरिकों से अपील की कि समस्या दिखाई देने पर तत्काल नगर निगम को सूचना उन्होंने कहा कि जनसहभागिता के माध्यम से ही सतना को स्वच्छ, स्वस्थ और सुरक्षित बनाया जा सकता है।

विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन का वैश्विक संकल्प, उत्तरदायी खनन ही भविष्य का विकल्प

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मानव सभ्यता के विकास में पृथ्वी की गोद में मौजूद खनिज संसाधनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है ऊर्जा, अधोसंरचना, चिकित्सा, परिवहन, रक्षा, अंतरिक्ष विज्ञान और आधुनिक तकनीक जैसे क्षेत्रों की प्रगति खनिज संसाधनों पर निर्भर है ऐसे में विकास की गति को बनाए रखते हुए पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना आज पूरी दुनिया के सामने बड़ी चुनौती है भूगर्भशास्त्री एवं खनन विशेषज्ञ शीलेन्द्र उपाध्याय के अनुसार इसका प्रभावी समाधान उत्तरदायी एवं सतत खनन में निहित है शीलेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि खनन केवल पृथ्वी से

खनिज निकालने की प्रक्रिया नहीं है बल्कि यह प्रकृति, समाज और आने वाली पीढ़ियों के प्रति जिम्मेदारी का विषय भी है प्रत्येक खनन परियोजना में पर्यावरणीय संतुलन को प्राथमिकता देते हुए वृक्षारोपण, वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण, प्रदूषण नियंत्रण, जैव विविधता संरक्षण और खदान क्षेत्रों के वैज्ञानिक पुनर्वास जैसी व्यवस्थाओं को अनिवार्य रूप से अपनाया जाना चाहिए उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से खनन गतिविधियों को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और पर्यावरण-अनुकूल बनाया जा सकता है कृत्रिम बुद्धिमत्ता ड्रोन सर्वेक्षण, रिमोट सेंसिंग और भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी जैसी तकनीकों के माध्यम से खनन क्षेत्र में निगरानी, सर्वेक्षण और संसाधनों के बेहतर प्रबंधन को प्रभावी बनाया जा सकता है उनके अनुसार वैज्ञानिक सोच, तकनीकी नवाचार और पर्यावरणीय जिम्मेदारी भविष्य के खनन उद्योग की दिशा तय करेंगे। पर्यावरण संरक्षण और उत्तरदायी खनन के क्षेत्र में योगदान के लिए शीलेन्द्र उपाध्याय को यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड सहित कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हो चुके हैं उन्होंने कहा कि पृथ्वी केवल वर्तमान पीढ़ी की संपत्ति नहीं है बल्कि आने वाली पीढ़ियों की भी अमानत है। इसलिए प्राकृतिक संसाधनों का दोहन संवेदनशीलता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और जिम्मेदारी के साथ किया जाना चाहिए उन्होंने कहा कि यदि आर्थिक विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण को समान प्राथमिकता दी जाए तो खनन मानव कल्याण का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है वास्तविक विकास वही है जिसमें आर्थिक समृद्धि के साथ प्रकृति का संतुलन भी कायम रहे और आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित हो।

सतना में नाबालिग के बाल विवाह और शोषण का आरोप, विभाग से न्याय की गुहार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नागौद थाना क्षेत्र की एक नाबालिग लड़की ने बाल विवाह, प्रताड़ना और शोषण के गंभीर आरोप लगाते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग में शिकायत दर्ज कराई है पीड़िता ने आरोप लगाया है कि विवाह के बाद करीब दो साल तक उसके साथ प्रताड़ना की गई और बाद में ससुराल पक्ष ने उसे घर से निकाल दिया उसने मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की है पीड़िता के अनुसार, करीब दो साल पहले परिचितों के घर आने-जाने वाले उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जिले के एक युवक से उसकी पहचान हुई थी। आरोप है कि युवक ने उसे बहला-फुसलाकर संबंध बनाए और बाद में मंदिर में कथित रूप से विवाह कर लिया। कुछ समय बाद वह अपने घर लौट आई पीड़िता का आरोप है कि इसके बाद दोनों परिवारों की सहमति से उसका विवाह कराया गया, जबकि उस समय उसकी उम्र नाबालिग थी। उसने आरोप लगाया कि विवाह के बाद भी उसके साथ शोषण और प्रताड़ना की गई शिकायत में पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया है कि आरोपी दूसरी शादी करना चाहता था और इसी बात को लेकर उसके साथ मारपीट की गई तथा उसे घर से निकाल दिया गया। उसने आरोपी के परिवार के अन्य सदस्यों पर भी सहयोग करने का आरोप लगाया है पीड़िता ने महिला एवं बाल विकास विभाग की उचेहरा परियोजना अधिकारी को आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है विभाग द्वारा शिकायत की जांच शुरू कर दी गई है जांच के तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ताम्रकार कसेरा समाज की प्रादेशिक बैठक में संगठन विस्तार का संकल्प

शिक्षा, स्वरोजगार और व्यापार में भागीदारी बढ़ाने पर जोर; भोपाल में समाज भवन के लिए भूमि तलाशने का निर्णय, आईटी सेल और वृक्षारोपण अभियान भी होंगे

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश ताम्रकार कसेरा समाज समिति की प्रादेशिक कार्यसमिति की बैठक रविवार को स्वर्ण पैलेस, सतना में आयोजित की गई। बैठक में प्रदेशभर से आए पदाधिकारियों और कार्यसमिति सदस्यों ने समाज की एकता, संगठन के विस्तार, शिक्षा, रोजगार, व्यापार, सामाजिक सहभागिता और जरूरतमंद परिवारों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की बैठक की शुरुआत पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण से हुई

इसके बाद भगवान सहस्त्रबाहु महाराज का पूजन-अर्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष रामनारायण ताम्रकार, प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र पैगवार, संरक्षक सदस्य एवं महापौर योगेश कुमार ताम्रकार, कार्यकारी अध्यक्ष पुष्पेंद्र ताम्रकार, महासचिव प्रदीप ताम्रकार, प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल ताम्रकार (मौसम), प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. अतुल सेठा और कोषाध्यक्ष हरिओम ताम्रकार सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारी एवं कार्यसमिति सदस्य मौजूद रहे कार्यक्रम का स्वागत भाषण प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल ताम्रकार (मौसम) ने दिया। उन्होंने कहा कि समाज को पूर्ण रूप से संगठित होकर आपसी मतभेद और दुर्भावनाओं से ऊपर उठना होगा सामाजिक गतिविधियों को गति देने के लिए सभी को एकजुट होकर काम करना होगा उन्होंने कहा कि समाज की उन्नति एकजुटता, सहयोग और समर्पण से ही संभव है उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जिनकी बातों में वजन होता है, वे महफिल में चिल्लाया नहीं करते क्योंकि चिल्लर ही खनकते हैं नोट पुकारा नहीं करते उन्होंने समाज के लोगों से संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने और सामाजिक हित के कार्यों में सहयोग करने की अपील की।

शिक्षा और स्वरोजगार पर विशेष जोर: राष्ट्रीय अध्यक्ष रामनारायण ताम्रकार ने अपने उद्बोधन में समाज की सामाजिक एवं आर्थिक प्रगति के लिए शिक्षा को महत्वपूर्ण आधार बताया उन्होंने कहा कि समाज की भागीदारी शिक्षा, उद्योग और व्यापार के साथ-साथ सामाजिक प्रगति के क्षेत्र में भी बढ़नी चाहिए उन्होंने युवाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के साथ स्वरोजगार और उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया उन्होंने कहा कि समाज के युवा नए अवसरों की पहचान कर अपने व्यवसाय और रोजगार को आगे बढ़ाएं संगठन की ओर से युवाओं को आवश्यक मार्गदर्शन और सहयोग उपलब्ध कराने की दिशा में भी प्रयास किए जाने चाहिए।

मैहर में 61.380 लीटर अवैध शराब जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। ताला थाना पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से कुल 61.380 लीटर अवैध शराब और तस्करी में इस्तेमाल मोटरसाइकिल जब्त की है। कार्रवाई के दौरान आरोपी का एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है पुलिस के अनुसार 26 जुलाई को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति काले रंग की मोटरसाइकिल स्क्ज्ञा9त्न1145 से भड़री गांव की ओर से अवैध शराब लेकर ताला-अमरपाटन मुख्य मार्ग की ओर आ रहे हैं। के आधार पर पुलिस टीम ने भड़री मोड़ पर घेराबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की कुछ देर बाद संदिग्ध मोटरसाइकिल दिखाई दी। पुलिस ने बाइक को रोकने का प्रयास किया तो पीछे बैठा व्यक्ति अंधेरे का फायदा उठाकर भाग पुलिस ने बाइक चालक को पकड़ पूछताछ में आरोपी की पहचान राकेश यादव (26), निवासी रामगढ़, थाना ताला के रूप में हुई उसने फरार साथी का नाम संदीप केवट बताया तलाशी के दौरान पुलिस ने 300 पाउच देशी प्लेन शराब (54 लीटर) और 41 शीशी गोवा व्हिस्की (7.380 लीटर) बरामद जब्त शराब की अनुमानित कीमत 28,335 बताई गई पुलिस ने बाइक भी जब्त कर ली।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।